Aarambh Institute

अंक - अक्टूबर 2025

आरम्भ

वार्षिक समसामयिकी

1 मार्च 2024 से 31 अगस्त 2025

महत्वपूर्ण घटनाओं का सम्पूर्ण विश्लेषण
प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी एक सम्पूर्ण संकलन

आरम्भ वार्षिक समसामयिकी

प्रकाशक

AARAMBH PUBLICATION

188/3, INDUSTRIAL AREA, SHIKOHABAD, FIROZABAD (UP) - 283135

CONT: +91 7400976700

Mail: info@aarambhinstitute.co.in

Website: www.aarambhinstitute.org

ISBN No: 978-93-343-5768-4

विधिक घोषणाएँ

- इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये जिम्मेदार नहीं है।
- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है, तो प्रकाशक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।
- इस पुस्तक का कॉपीराइट सुरक्षित है। अतः इस पुस्तक के किसी भी अंश का नकल करने या किसी अन्य रूप से छापनेवाला व्यक्ति इसकी क्षति के लिए जिम्मेवार होगा।
- सभी विवादों का निपटारा फिरोजाबाद जिला न्यायिक क्षेत्र में होगा।
- © कॉपीराइटः आरम्भ पब्लिकेशन, सर्वाधिकार सुरक्षित।
- इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

संपादक एवं लेखक

डॉ. अजय कुमार यादव

मुद्रक

आरम्भ पब्लिकेशन, शिकोहाबाद
फिरोजाबाद

अनुक्रमणिका

आमुख ii
प्रस्तावना iii
संपादक की कलम से iv
बिशेष धन्यवाद v
राष्ट्रीय घटनाक्रम 2
अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम 18
  प्रमुख राष्ट्रीय सम्मेलन : 2024 26
न्यायिक परिदृश्य 31
आर्थिक परिदृश्य 35
प्रमुख रिपोर्ट्स एवं सूचकांक 52
पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी 70
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी 92
इतिहास कला एवं संस्कृति 109
कल्याणकारी योजनायें (केंद्र एवं राज्य) 129
महत्वपूर्ण व्यक्ति 137
चर्चित स्थल 156
खेल परिदृश्य 170
महत्वपूर्ण पुरस्कार 192
विविध 213
पुस्तकें एवं लेखक 228
  नवीनतम संक्षिप्त शब्द 230
  अंतर्राष्ट्रीय संस्थान/संगठन 232
  अन्य पदाधिकारी 236
  भारत के अन्य देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास 239
    भारत सेनाओं के अभ्यास 244
  लोकसभा चुनाव : 2024 253
  भारत के उच्च न्यायालय 255
  भारत के भौगोलिक संकेत (GI टैग) 256
  भारत सरकार के आगामी लक्ष्य 259
  कौन, क्या, कहाँ 260
  भारत एवं विश्व में प्रथम : 2023-25 262
क्विक फैक्ट्स 270

आमुख

आरंभ पब्लिकेशन द्वारा प्रस्तुत "आरंभ वार्षिक समसामयिकी" पत्रिका उन सभी प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए एक सुव्यवस्थित, अद्यतन एवं परीक्षोपयोगी संसाधन है, जो अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समर्पित हैं। यह विशेषांक विगत 18 महीनों की समसामयिक घटनाओं को समेटे हुए एक व्यापक अध्ययन सामग्री के रूप में तैयार किया गया है, जिसमें देश-विदेश में घटित प्रमुख घटनाक्रमों को तथ्यात्मक, सरल एवं बोधगम्य रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह पत्रिका विशेष रूप से UPSC, UPPSC, MPPSC, BPSC, RPSC सहित समस्त राज्य लोक सेवा आयोगों की परीक्षाओं के साथ-साथ SSC, रेलवे, वनडे एग्ज़ाम, बैंकिंग परीक्षाएं, एवं अन्य केंद्रीय/राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से उपयोगी है।

वर्तमान समय में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल पाठ्यक्रम का अध्ययन पर्याप्त नहीं होता, बल्कि समसामयिक घटनाओं की गहरी समझ और उनका विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण भी अत्यंत आवश्यक हो गया है। "आरंभ वार्षिक समसामयिकी" इसी आवश्यकता की पूर्ति हेतु एक ठोस माध्यम प्रदान करती है। इसमें प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, भारत एवं विश्व की आर्थिक स्थिति, सरकारी नीतियां और योजनाएं, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति, पर्यावरणीय मुद्दे, पुरस्कार-सम्मान, खेल जगत की उपलब्धियां और विविध चर्चित विषयों को समाहित किया गया है।

इस पत्रिका की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रामाणिकता और परीक्षा केंद्रित प्रस्तुति है। इसमें दी गई प्रत्येक जानकारी का संग्रह और संयोजन गंभीर शोध, सरकारी दस्तावेजों, विश्वसनीय समाचार स्रोतों तथा विभिन्न आयोगों द्वारा आयोजित परीक्षाओं के पैटर्न के गहन विश्लेषण के आधार पर किया गया है। विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान बार-बार विभिन्न स्रोतों पर निर्भर न रहना पड़े, इसी सोच के साथ इस पत्रिका को एक समग्र रूप प्रदान किया गया है, ताकि कम समय में अधिक प्रभावी अध्ययन संभव हो सके।

आरंभ पब्लिकेशन सदैव से गुणवत्तापूर्ण एवं परीक्षा उपयोगी सामग्री प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। "आरंभ वार्षिक समसामयिकी" भी इसी परंपरा का एक विस्तार है, जो विद्यार्थियों को सफलता की दिशा में एक सार्थक मार्गदर्शन प्रदान करेगी। हमारा यह प्रयास न केवल अभ्यर्थियों को अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएगा, बल्कि उनकी समझ और विश्लेषण क्षमता को भी सुदृढ़ बनाएगा।

हम आशा करते हैं कि यह वार्षिक समसामयिकी पत्रिका आपकी तैयारी को गति देने में सहायक सिद्ध होगी और आप अपने सपनों की उड़ान को साकार कर सकेंगे। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और विश्वास करते हैं कि यह पत्रिका आपकी सफलता की यात्रा में एक मूल्यवान सहचर बनेगी।

— आरंभ पब्लिकेशन

प्रस्तावना

हम गर्व के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं – **"आरंभ वार्षिक समसामयिकी"**, जो कि विगत 18 महीनों की समसामयिक घटनाओं का एक संकलित, शोधपरक एवं परीक्षोपयोगी संस्करण है। वर्तमान समय में प्रतियोगी परीक्षाओं की बदलती प्रवृत्ति ने समसामयिक विषयवस्तु के महत्व को और भी अधिक बढ़ा दिया है। चाहे बात UPSC, UPPSC, MPPSC, BPSC, RPSC जैसे राज्य लोक सेवा आयोगों की हो या SSC, रेलवे, बैंकिंग, वन डे एग्ज़ाम्स जैसी केंद्रीय परीक्षाओं की – सभी में अब करंट अफेयर्स एक निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इस पत्रिका का उद्देश्य केवल तथ्यों को प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि उन्हें इस प्रकार क्रमबद्ध और विश्लेषणात्मक रूप में देना है कि विद्यार्थी कम समय में अधिक ज्ञान प्राप्त कर सकें। इसमें राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय घटनाएं, भारत सरकार की योजनाएं, महत्वपूर्ण रिपोर्ट्स और सूचकांक, अर्थव्यवस्था से संबंधित प्रमुख घटनाक्रम, पुरस्कार, सम्मेलन, विज्ञान एवं तकनीकी विकास, पर्यावरणीय मुद्दे, खेल जगत की उपलब्धियां आदि को समाविष्ट किया गया है, जो आगामी परीक्षाओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

"आरंभ वार्षिक समसामयिकी" की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सटीकता, सरल भाषा और परीक्षा केंद्रित प्रस्तुति है। यह पत्रिका केवल एक सामान्य करंट अफेयर्स संग्रह नहीं, बल्कि प्रतियोगी विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा मार्गदर्शक है, जो उन्हें परीक्षा हॉल तक की यात्रा में सहायता प्रदान करता है। इसमें दिए गए विषय वस्तु का चयन विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण करते हुए और आगामी परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर किया गया है।

आरंभ पब्लिकेशन हमेशा से गुणवत्ता युक्त अध्ययन सामग्री देने के लिए समर्पित रहा है। हमारी यह पहल भी उसी विश्वास और उद्देश्य के साथ की गई है – कि विद्यार्थी बिना किसी भ्रम के एक ही स्थान पर उपयोगी और भरोसेमंद सामग्री प्राप्त कर सकें। हम आशा करते हैं कि यह पत्रिका न केवल आपकी जानकारी को समृद्ध करेगी, बल्कि आपको प्रतियोगिता की दौड़ में एक कदम आगे भी ले जाएगी।

अंत में, हम सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। आपका परिश्रम, सही दिशा और उपयुक्त संसाधन – यही सफलता की कुंजी हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि **"आरंभ वार्षिक समसामयिकी"** इस दिशा में आपकी विश्वसनीय संगिनी सिद्ध होगी।

– आरंभ पब्लिकेशन

संपादक की कलम से

प्रिय पाठकों,

"आरंभ वार्षिक समसामयिकी" का यह विशेषांक आपके हाथों में सौंपते हुए मुझे अत्यंत हर्ष और गर्व की अनुभूति हो रही है। यह मात्र एक पत्रिका नहीं, बल्कि एक समर्पण है उन सभी प्रतियोगी विद्यार्थियों के लिए, जो दिन-रात एक कर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में प्रयासरत हैं। समसामयिक घटनाओं की जानकारी आज की प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं में जितनी आवश्यक हो गई है, उतनी पहले कभी नहीं थी। ऐसे में यह पत्रिका एक ऐसा साधन बन सके जो विद्यार्थियों को नवीनतम घटनाओं की सटीक, गहन और विश्लेषणात्मक जानकारी दे सके — इसी भावना से इसका निर्माण किया गया है।

आज का युग सूचना विस्फोट (Information Explosion) का युग है। हर दिन, हर क्षण कहीं-न-कहीं कुछ न कुछ घट रहा है, जो किसी-न-किसी रूप में हमारी परीक्षाओं से जुड़ सकता है। इंटरनेट, मोबाइल ऐप्स, सोशल मीडिया और न्यूज़ पोर्टल्स की भीड़ में छात्रों के लिए यह तय करना कठिन हो जाता है कि कौन सी जानकारी प्रासंगिक है और कौन सी नहीं। "आरंभ वार्षिक समसामयिकी" का यही प्रयास है कि विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर प्रामाणिक, परीक्षोपयोगी और संक्षिप्त रूप में वह सभी जानकारी मिल जाए जो उनके लिए आवश्यक है।

यह पत्रिका न केवल विगत 18 महीनों की समसामयिक घटनाओं को समाहित करती है, बल्कि हर घटना को उस दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है जो वस्तुनिष्ठ (Objective) तथा वर्णनात्मक (Descriptive) दोनों प्रकार के प्रश्नों के लिए उपयुक्त हो। हमने इस अंक में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय घटनाएं, अंतरराष्ट्रीय घटनाएं, अर्थव्यवस्था, विज्ञान एवं तकनीक, पर्यावरण, खेल, पुरस्कार, सरकारी योजनाएं, सम्मेलन, रिपोर्ट्स और सूचकांक आदि को सम्मिलित किया है। प्रत्येक विषय को इस प्रकार संरचित किया गया है कि वह आपके लिए एक बिंदु समाधान (One Point Solution) बन सके।

आज प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए केवल जानकारी होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस जानकारी की प्रासंगिकता, प्रस्तुति, और त्वरित पुनरावृत्ति की क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने इस पत्रिका की भाषा को सहज, शैली को व्यावहारिक और संरचना को क्रमबद्ध रखा है। हमारी कोशिश रही है कि छात्रों को न केवल पढ़ने में रुचि आए, बल्कि वे जल्दी से इसे स्मरण भी कर सकें।

"आरंभ पब्लिकेशन" की यह पहल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का एक उदाहरण है। हमने यह महसूस किया है कि आज अधिकतर छात्र सही मार्गदर्शन और गुणवत्ता युक्त सामग्री के अभाव में असमंजस की स्थिति में रहते हैं। विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र करना, उसे समझना और फिर उसका पुनरावृत्ति करना – यह प्रक्रिया समय लेने वाली और थकाऊ हो सकती है। ऐसे में एक सुव्यवस्थित और समग्र पत्रिका उनकी समय बचत और परिणाम उन्मुख तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

"आरंभ वार्षिक समसामयिकी" का यह अंक उन छात्रों के लिए भी अत्यंत उपयोगी होगा जो प्रारंभिक परीक्षा के साथ-साथ मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी कर रहे हैं। प्रत्येक अनुभाग को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि वह तथ्यों के साथ-साथ उनके सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संदर्भों को भी स्पष्ट करे। इससे विद्यार्थियों की समग्र समझ विकसित होती है, जो कि आज की प्रतिस्पर्धा में अत्यंत आवश्यक है।

हमारी टीम ने इस पत्रिका को तैयार करने में निष्कलंक परिश्रम, गहन शोध और निरंतर समीक्षा की प्रक्रिया अपनाई है। हमने सरकारी वेबसाइट्स, प्रामाणिक समाचार पत्रों, PIB, योजना, आर्थिक सर्वेक्षण, बजट, रिपोर्ट्स, नीति आयोग, यूएन रिपोर्ट्स आदि का गहन अध्ययन कर हर जानकारी को विश्वसनीयता के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी जानकारी में त्रुटि या भ्रम की कोई संभावना न रहे।

प्रिय विद्यार्थियों, मैं यह भली-भांति जानता हूँ कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एक मानसिक, भावनात्मक और बौद्धिक यात्रा है। इस यात्रा में कभी-कभी थकान, हताशा और अनिश्चितता भी होती है। लेकिन यदि आपके पास सही दिशा, सही संसाधन और आत्म-विश्वास है, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। मेरी यह दृढ़ मान्यता है कि "आरंभ वार्षिक समसामयिकी" न केवल एक अध्ययन सामग्री है, बल्कि यह आपके आत्म-विश्वास और तैयारी की शक्ति को एक नई दिशा देगी।

मैं अपने पूरे संपादकीय दल, लेखकों, शोधकर्ताओं और सभी तकनीकी सहयोगियों का आभार प्रकट करता हूँ, जिनके अथक प्रयासों से यह विशेषांक संभव हो सका। साथ ही, मैं अपने सभी पाठकों से यह भी अपेक्षा करता हूँ कि आप हमें अपने सुझाव, प्रतिक्रियाएं और मूल्यवान फीडबैक जरूर दें, जिससे हम आने वाले अंकों को और भी बेहतर बना सकें।

अंततः, मैं यही कहना चाहूंगा कि — सफलता कभी संयोग नहीं होती, वह निरंतर प्रयास, समर्पण और विवेकपूर्ण रणनीति का परिणाम होती है। आरंभ पब्लिकेशन आपके इस संघर्ष में एक सच्चा और मजबूत साथी बनने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा।

आप सभी को आगामी परीक्षाओं के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

डॉ. अजय कुमार यादव
संपादक
आरंभ वार्षिक समसामयिकी
(आरंभ पब्लिकेशन)

बिशेष धन्यवाद

जब कोई प्रयास ईमानदारी से किया जाता है और वह पाठकों के मन को छू लेता है, तो उससे मिलने वाली प्रतिक्रिया और समर्थन, हर श्रम को सार्थक बना देती है। "आरंभ वार्षिक समसामयिकी" को लेकर हमें जो स्नेह, सराहना और सुझाव प्राप्त हुए हैं, वे हमारे लिए न केवल उत्साहवर्धक रहे, बल्कि उन्होंने हमारे प्रयास को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। इस अवसर पर आरंभ पब्लिकेशन परिवार अपने सभी पाठकों को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता है।

हम जब इस वार्षिक विशेषांक की योजना बना रहे थे, तब हमारा उद्देश्य केवल एक पत्रिका प्रकाशित करना नहीं था, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा प्रामाणिक, संक्षिप्त और परीक्षोपयोगी संसाधन तैयार करना था, जो उन्हें समसामयिक घटनाओं की तैयारी के लिए इधर-उधर भटकने से बचा सके। जब हमने देखा कि यह उद्देश्य धीरे-धीरे पाठकों के विश्वास और संतुष्टि के रूप में फलित हो रहा है, तो वह अनुभव शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

हमें देशभर से हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों, कोचिंग संस्थानों और अभिभावकों ने जो प्रतिक्रियाएं भेजीं, वे अत्यंत उत्साहजनक, मार्गदर्शक और प्रेरणादायक रही हैं। कई विद्यार्थियों ने लिखा कि उन्हें पहली बार कोई ऐसी समसामयिकी पत्रिका पढ़ने को मिली, जो भाषा में सरल, सामग्री में सटीक और प्रस्तुति में व्यवस्थित है। यह जानकर गर्व होता है कि कई छात्रों ने इस पत्रिका को अपने अंतिम चयन की तैयारी का प्रमुख आधार बताया है।

हम विशेष रूप से उन पाठकों का भी आभार प्रकट करते हैं, जिन्होंने सुधारात्मक सुझाव दिए। आपके द्वारा भेजे गए विचारों ने हमें यह समझने में मदद की कि किस दिशा में हम और बेहतर हो सकते हैं। किसी ने विषयों के और अधिक गहन विश्लेषण की मांग की, तो किसी ने ग्राफिक्स और चार्ट्स के ज़रिये प्रस्तुति को और रोचक बनाने का सुझाव दिया। हम यह विश्वास दिलाते हैं कि आपकी प्रतिक्रियाएं केवल पढ़ी नहीं जातीं, बल्कि उन्हें गहराई से समझकर आगामी अंकों में समाहित भी किया जाता है।

आपके फीडबैक ने हमें यह महसूस कराया कि "आरंभ वार्षिक समसामयिकी" अब केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि एक शैक्षिक आंदोलन बन चुका है — जो छात्रों को गुणवत्तापूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने के संकल्प से प्रेरित है। आज जब बाजार में अनेक प्रकार की सामग्रियां उपलब्ध हैं, ऐसे में आप सभी ने जिस आस्था और भरोसे के साथ हमारी पत्रिका को चुना, वह हमारे लिए सम्मान की बात है।

हम यह भी समझते हैं कि छात्र जीवन में समय की बहुत अधिक महत्ता होती है। एक छात्र के लिए हर क्षण बहुमूल्य होता है, और यदि उस समय में हम अपने प्रयास से कुछ मूल्य जोड़ पा रहे हैं, तो यही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। आप सभी पाठकों की प्रतिक्रिया ने हमें यह विश्वास दिलाया है कि हम सही दिशा में हैं — और यह रास्ता निरंतर सेवा और नवाचार का होना चाहिए।

हम आगामी अंकों में और भी नई-नई विशेषताएं जोड़ने की योजना बना रहे हैं – जैसे कि थीम आधारित समसामयिकी, विवादित मुद्दों का विश्लेषण, प्रश्नोत्तर आधारित पुनरावृत्ति अनुभाग, और मुख्य परीक्षा केंद्रित गहन लेख। इसके अतिरिक्त, हम जल्द ही ऑनलाइन इंटरएक्टिव प्लेटफ़ॉर्म पर भी कार्य प्रारंभ करने वाले हैं, ताकि पाठक हमें सीधे सुझाव भेज सकें, सवाल पूछ सकें और निरंतर संवाद में रह सकें।

अंततः, हम पुनः एक बार आप सभी पाठकों को नमन करते हैं, जिन्होंने अपने कीमती समय में से कुछ क्षण निकालकर हमें सराहा, सुझाव दिए, और प्रेरित किया। हमारा विश्वास है कि आपकी यह सहभागिता "आरंभ पब्लिकेशन" को एक सशक्त, विश्वसनीय और विद्यार्थियों के लिए समर्पित संस्था बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

आपका यह विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है - और हम वचन देते हैं कि इस विश्वास को हम कभी टूटने नहीं देंगे।

आपका सदैव,
आरंभ पब्लिकेशन परिवार

अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

SCO शिखर सम्मेलन 2025

- SCO शिखर सम्मेलन 2025, शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की 25वीं राष्ट्राध्यक्ष परिषद बैठक थी, जो 31 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 तक चीन के तियानजिन में आयोजित की गई थी। यह SCO के इतिहास का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन था और पाँचवीं बार चीन ने इस बैठक की मेज़बानी की थी।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

- शंघाई सहयोग संगठन (SCO) यूरेशिया का एक राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन है जिसकी स्थापना 15 जून 2001 को शंघाई (चीन) में, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान द्वारा की गई थी। 2017 में भारत और पाकिस्तान पूर्ण सदस्य बने, और बाद में ईरान (2023) और बेलारूस (2024) भी शामिल हुए। यह संगठन क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने, आतंकवाद और उग्रवाद से लड़ने और सदस्य देशों के बीच आर्थिक व सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।
- संगठन का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय राष्ट्राध्यक्ष परिषद (एचएससी) है, जिसकी वर्ष में एक बार बैठक होती है।
- भौगोलिक दायरे और जनसंख्या के हिसाब से यह दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन है।
- SCO की संरचना
- एससीओ का सचिवालय बीजिंग में स्थित, एक स्थायी निकाय है।
- क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS), ताशकंद में स्थित एक और स्थायी निकाय है।
- कई देशों को पर्यवेक्षक (जैसे अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान) और वार्ता भागीदार (जैसे आर्मेनिया, कंबोडिया, नेपाल) के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

देश की आधी आबादी ने राष्ट्रीय पलायन के लिए कराया वीजा रजिस्ट्रेशन

- तुवालु प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटा द्वीपीय देश है, जिसकी आबादी 10,000 से भी कम है।
- यह देश जलवायु परिवर्तन विशेषकर समुद्र के बढ़ते जलस्तर से के गंभीर प्रभावों से जूझ रहा है।
- वैज्ञानिक अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2050 तक तुवालु पूरी तरह जलमग्न हो सकता है। इस खतरे को देखते हुए तुवालु की सरकार ने ऑस्ट्रेलिया के साथ वर्ष 2023 में एक ऐतिहासिक समझौता किया, जिसे "फालेपिली यूनियन संधि" कहा जाता है।
- इस संधि के तहत 2024 से हर वर्ष 280 तुवालु नागरिकों को ऑस्ट्रेलिया में स्थायी रूप से बसने, काम करने और अध्ययन करने की अनुमति दी जाएगी।
- इस पहल को दुनिया का पहला सुनियोजित राष्ट्रीय जलवायु पलायन माना जा रहा है।
- इस योजना के तहत वीजा आवेदन प्रक्रिया में देश की लगभग आधी आबादी 5,157 नागरिकों ने पंजीकरण कराया।
- यह घटनाक्रम न केवल जलवायु संकट की गंभीरता को उजागर करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि छोटे देश अब बड़े देशों के सहयोग से अपने नागरिकों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं।
- तुवालु, जिसे पहले एलिस द्वीप के नाम से जाना जाता था, नौ प्रवाल द्वीपों से मिलकर बना है और यह दुनिया के सबसे छोटे देशों में शामिल है। ऐसे में, यह समझौता तुवालु जैसे कमजोर देशों के लिए एक उदाहरण बन सकता है कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग कितना आवश्यक है।

आर्मेनिया और अज़रबैजान के मध्य शांति समझौता

- 8 अगस्त 2025 को, आर्मेनिया और अज़रबैजान के नेताओं ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य दशकों के नागोर्नो-काराबाख संघर्ष को समाप्त करना है। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए और 1 लाख से अधिक अर्मेनियाई लोग विस्थापित हुए।
- समझौते के एक प्रमुख हिस्से के रूप में, अमेरिका को अर्मेनिया के भीतर से एक पारगमन गलियारे को विकसित करने का विशेष अधिकार मिला। इस गलियारे का नाम "अंतर्राष्ट्रीय शांति और समृद्धि के लिए ट्रम्प मार्ग" (TRIPP) रखा जाएगा।
- यह मार्ग (ज़ंगेज़ुर गलियारा, जिसे अब ट्रम्प मार्ग कहा जायेगा) अज़रबैजान के मुख्य क्षेत्र को उसके असम्बद्ध नखचिवन क्षेत्र से अर्मेनिया के माध्यम से, बिना किसी जांच चौकी के जोड़ेगा।
- इस समझौते में ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और अर्थव्यवस्था में सहयोग बढ़ाना भी शामिल है, लेकिन ईरान ने इस मार्ग में अमेरिकी भूमिका का विरोध किया है।

जंगेजुर गलियारा

- जंगेजुर गलियारा अज़रबैजान को उसके अलग-थलग पड़े नखचिवन स्वायत्त गणराज्य से जोड़ने के लिए प्रस्तावित परिवहन मार्ग है, जो आर्मेनिया के स्यूनिक प्रांत से होकर गुजरेगा। यह गलियारा अज़रबैजान और तुर्की के बीच सीधा जमीनी संपर्क स्थापित करेगा और दोनों देशों के बीच व्यापार तथा परिवहन को बढ़ावा देगा।

प्रमुख विशेषताएँ

- उद्देश्य : अज़रबैजान और नखचिवन को सड़क और रेल मार्ग से जोड़ना तथा तुर्की और अज़रबैजान को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करना।
- यह, आर्मेनिया का स्यूनिक प्रांत, जो वर्तमान में ईरान को अज़रबैजान से जोड़ने का मुख्य मार्ग है।
- मुख्य लाभार्थी : अज़रबैजान और तुर्की, जो इस परियोजना के प्रमुख समर्थक हैं।

भू-राजनीतिक महत्व

न्यायिक परिदृश्य

संसद में पेश हुए तीन बड़े संशोधन विधेयक : संविधान (130वाँ संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025

विधेयक पेश करने का मकसद

- 20 अगस्त 2025 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन महत्वपूर्ण संशोधन विधेयक पेश किए।
- इनका मुख्य उद्देश्य यह है कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का मंत्री गंभीर आपराधिक मामलों (जिनमें जेल की सजा कम से कम 5 वर्ष हो सकती है) में 30 लगातार दिनों तक हिरासत में रहे, तो 31वें दिन उन्हें पद से हटाया जा सकता है, इस्तीफ़ा देना आवश्यक नहीं है।
- सरकार का कहना है कि इससे शासन की विश्वसनीयता बनी रहेगी और जनता का विश्वास मजबूत होगा।

कौन-कौन से विधेयक पेश हुए?

संविधान (130वाँ संशोधन) विधेयक, 2025

- इसमें अनुच्छेद 75 (प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री) में संशोधन का प्रस्ताव है।
- यदि प्रधानमंत्री या कोई केंद्रीय मंत्री लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन उसका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा।

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025

- जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और मंत्रियों पर भी यही नियम लागू होगा।

केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025

- दिल्ली जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में मुख्यमंत्री और मंत्रियों के लिए यह व्यवस्था लागू होगी।

हटाने का प्रावधान

- यदि किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री पर ऐसा अपराध साबित होता है, जिसकी सजा कम से कम 5 वर्ष की हो सकती है और वह लगातार 30 दिन तक जेल या हिरासत में रहता है, तो वह 31वें दिन स्वतः पद से हटा दिया जाएगा।
- उसके इस्तीफे की आवश्यकता नहीं होगी, यानी कानून अपने आप पद खाली मान लेगा।

किसके पास होगी हटाने की शक्ति?

- प्रधानमंत्री ⟶ राष्ट्रपति द्वारा हटाए जाएंगे।
- मुख्यमंत्री ⟶ राज्यपाल या केंद्र शासित प्रदेश में उपराज्यपाल हटाएगा।
- राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री ⟶ मुख्यमंत्री (राज्यों में) या उपराज्यपाल (UTs में) हटाएगा।

रिहाई के बाद क्या होगा?

- यदि हिरासत में रहने वाला व्यक्ति बाद में रिहा हो जाता है, तो उसे फिर से उसी पद पर नियुक्त किया जा सकता है। विधेयक में यह प्रावधान विकल्प के रूप में रखा गया है।

संवैधानिक बदलाव

- इन विधेयकों के जरिए संविधान में ये संशोधन प्रस्तावित हैं:
- अनुच्छेद 75 ⟶ प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से संबंधित प्रावधान।
- अनुच्छेद 164 ⟶ मुख्यमंत्री और राज्यों के मंत्रियों से संबंधित प्रावधान।
- अनुच्छेद 239AA ⟶ दिल्ली जैसे केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और मंत्रियों से जुड़े प्रावधान।

विधेयक का उद्देश्य

- सरकार का दावा है कि यह कानून राजनीतिक जवाबदेही (Political Accountability) और संवैधानिक नैतिकता (Constitutional Morality) को मजबूत करेगा।
- इससे यह सुनिश्चित होगा कि गंभीर आपराधिक आरोपों में फँसा व्यक्ति सत्ता में बना न रहे।
- जनता का विश्वास शासन पर बना रहेगा।
- उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं की छवि और नैतिकता सुरक्षित रहेगी।

संसदीय प्रक्रिया और अगला चरण

- तीनों विधेयक लोकसभा में पेश किए जाने के बाद अब संयुक्त संसदीय समिति (Joint Parliamentary Committee - JPC) को भेजे जाएंगे।
- समिति इन पर विस्तार से चर्चा और समीक्षा करेगी।
- इसके बाद इन्हें संसद के दोनों सदनों से पारित कराकर कानून बनाया जाएगा।

विपक्ष की प्रतिक्रिया

- जैसे ही विधेयक लोकसभा में पेश किए गए, विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया।
- कई सांसदों ने आरोप लगाया कि यह विधेयक सत्ता के दुरुपयोग का साधन बन सकता है।
- कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने विधेयक की प्रतियाँ फाड़कर हवा में लहराईं।
- विपक्ष का कहना है कि इस कानून का इस्तेमाल राजनीतिक बदले के लिए किया जा सकता है।

सरकार का जवाब

- गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि विपक्ष केवल बिना कारण विरोध कर रहा है। उनका कहना है कि यह कानून केवल उन नेताओं पर लागू होगा जो गंभीर अपराधों में लंबे समय तक हिरासत में रहते हैं।
- उन्होंने भरोसा दिलाया कि इससे ईमानदार नेताओं को कोई नुकसान नहीं होगा।
- अमित शाह ने जोर देकर कहा कि सरकार जनता के विश्वास और संविधान की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

सारांश:

- इन विधेयकों के पारित होने के बाद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई भी मंत्री यदि गंभीर अपराध में 30 दिन तक जेल में रहेगा, तो उसे 31वें दिन अपने पद से स्वतः हटना पड़ेगा। रिहाई के बाद उसे दोबारा नियुक्त किया जा सकता है। सरकार का कहना है कि यह कदम लोकतंत्र को मजबूत

आर्थिक परिदृश्य

केरल में रबर के पेड़ों पर बीटल-फंगस संकट

- केरल के रबर बागानों को एम्ब्रोसिया बीटल (Euplatypus parallelus) और फ्यूजेरियम फफूंद - फ्यूजेरियम एम्ब्रोसिया (Fusarium ambrosia) तथा फ्यूजेरियम सोलानी (Fusarium solani) के सहजीवी संबंध से गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।
- यह कीट और फंगस का संयोजन रबर के पेड़ों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रहा है, जिससे रबर उत्पादन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है।

एम्ब्रोसिया बीटल:

- यह एक कीट है जो रबर के पेड़ों पर हमला करता है।

फ्यूजेरियम एम्ब्रोसिया और फ्यूजेरियम सोलानी:

- ये दो प्रकार के फंगस हैं जो एम्ब्रोसिया बीटल के साथ सहजीवी संबंध में रहते हैं।
- एम्ब्रोसिया बीटल पेड़ों के जाइलम में सुराख़ कर फ्यूजेरियम कवक पहुँचाते हैं जिससे पानी का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है तथा पत्तियाँ गिरने लगती हैं, तना सूख जाता है, लेटेक्स की उपज कम हो जाती है तथा पेड़ नष्ट हो जाते हैं।
- इससे पेड़ों के ऊतकों को क्षति पहुँचती है तथा उनकी मरम्मत धीमी हो जाती है।

- ✓ पेड़ों में, जाइलम एक विशेष प्रकार का ऊतक है, जिसका कार्य जड़ों से पत्तियों तक पानी और खनिज लवणों को पहुँचाने है।
- ✓ यह पौधों के संवहनी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- ✓ जाइलम, जिसे लकड़ी भी कहा जाता है, पौधों को यांत्रिक सहायता भी प्रदान करता है।
- ✓ कुछ जाइलम कोशिकाएं भोजन को भी संग्रहीत करती हैं।

जाइलम और फ्लोएम में अंतर:

- ✓ जाइलम और फ्लोएम दोनों ही पौधों में संवहनी ऊतक हैं, लेकिन उनके कार्य अलग-अलग हैं।
- ✓ फ्लोएम, जाइलम के विपरीत, पत्तियों द्वारा बनाए गए भोजन को पौधे के अन्य भागों तक पहुँचाता है।

पारिस्थितिकी एवं स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ

- यह संकट केवल रबर तक सीमित नहीं है; काजू, सागौन, नारियल, और कॉफी जैसी 80 से अधिक चौड़ी पत्ती वाली प्रजातियाँ भी इसकी चपेट में हैं।
- फ्यूजेरियम कवक, पौधों, जानवरों, और मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।
- कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के लिए यह गंभीर स्वास्थ्य खतरा बन सकता है।
- यदि बीटल्स अधिक विषाक्त फफूंदों से सहसंबंध विकसित कर लें तो खतरा और बढ़ सकता है।

नियंत्रण चुनौतियाँ

- संक्रमण का प्रबंधन करना कठिन है, क्योंकि कवक ऊतकों, मिट्टी और भोरों के माध्यम से फैलता है तथा अन्य सूक्ष्मजीवों को नुकसान पहुँचाता है।

निवारण उपाय

- निवारण उपायों में बीटल ट्रैप्स लगाना, संक्रमित हिस्सों को हटाना, एंटिफंगल दवाओं का प्रयोग तथा जैव नियंत्रण विधियाँ जैसे कि प्रतिद्वंद्वी फफूंद, सूक्ष्मजीव संघ तथा आनुवंशिक रूप से परिवर्तित (GM) रबर पौधों का उपयोग शामिल हैं।

रबर

- रबर एक लोचदार पदार्थ है जो रबर के पेड़ों (हेविया ब्रासिलिएन्सिस) के लेटेक्स या दूधिया रस से प्राप्त होता है।यह लेटेक्स मुख्य रूप से पॉलीआइसोप्रीन नामक बहुलक तथा विभिन्न कार्बनिक यौगिकों से मिलकर बना होता है।
- भारत वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक रबर का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।
- भारत कुल रबर (प्राकृतिक और सिंथेटिक रबर) का पाँचवाँ सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

भारत में रबर उत्पादन

केरल (90%) और उसके बाद त्रिपुरा (लगभग 9%) अग्रणी उत्पादक राज्य हैं।

अन्य प्रमुख राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों में - कर्नाटक, असम, तमिलनाडु, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, गोवा तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं।

रबर के उत्पादन हेतु आवश्यक जलवायु परिस्थितियाँ

- रबड़ एक उष्णकटिबंधीय वृक्ष है तथा अमेज़न वर्षावन का स्थानिक है।
- 20°-35°C तापमान,
- 200 सेमी से अधिक वार्षिक वर्षा,
- दोमट या लैटेराइट मिट्टी तथा ढलान वाले या ऊँचे भू-भाग

रबर का व्यापार परिदृश्य:

- 2022-23 में भारत ने **3,700 टन प्राकृतिक रबड़ (NR) का निर्यात** किया, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, UAE, यू.के. और बांग्लादेश सबसे बड़े बाज़ार थे।
- वर्ष 2022-23 में भारत ने **5,28,677 टन प्राकृतिक रबर का आयात किया**, मुख्य रूप से इंडोनेशिया, थाईलैंड, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान से।

भारत का रबर उत्पादन लक्ष्य

- भारत का लक्ष्य 2030 तक 2 मिलियन टन प्राकृतिक रबर उत्पादन प्राप्त करना तथा रोपण क्षेत्रों का विस्तार करना है।

अन्य प्रमुख बिंदु

- भारत सरकार द्वारा 2019 में राष्ट्रीय रबर नीति लायी गयी।
- रबर बोर्ड का मुख्यालय केरल के कोट्टायम में स्थित है।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की रिपोर्ट: उपकर हस्तांतरण में कमी

12 अगस्त, 2025 को संसद में पेश की गई 2023-24 के लिए केंद्र सरकार के खातों पर अपनी रिपोर्ट में, सीएजी ने निवेशक शिक्षा और संरक्षण, राष्ट्रीय राजमार्गों के मुद्रीकरण, तेल उद्योग के विकास और देश में स्वास्थ्य और शिक्षा के विकास के लिए बनाए गए धन से संबंधित हस्तांतरण में ऐसी कमियां पाई।

मुख्य निष्कर्ष

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

एम्बरग्रीस: "व्हेल उल्टी" के नाम से प्रसिद्ध एक दुर्लभ पदार्थ

- एम्बरग्रीस, जिसे आमतौर पर "व्हेल उल्टी" कहा जाता है, एक ठोस और मोमी पदार्थ है जो शुक्राणु व्हेल (Sperm Whale) के पाचन तंत्र में उत्पन्न होता है।
- यह इत्र उद्योग में एक अत्यधिक मूल्यवान सुगंध-वर्धक (fixative) के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा पारंपरिक चिकित्सा और मसाले के रूप में भी इसका ऐतिहासिक उपयोग मिलता है।
- इसका मूल्य मुख्यतः इसकी दुर्लभता और सुगंध को स्थायी एवं गहन बनाने की विशिष्ट क्षमता के कारण है। उच्च कीमत के चलते यह अक्सर तस्करों के निशाने पर रहता है।

गठन (Formation)

- एम्बरग्रीस तब बनता है जब स्क्विड की चोंच जैसे अपचनीय अवशेष (जो शुक्राणु व्हेल का प्रमुख भोजन हैं) व्हेल की आंत में फँसकर जलन उत्पन्न करते हैं। शरीर इन अवशेषों को ढकने के लिए एक स्राव (secretion) उत्पन्न करता है।
- समय के साथ यह स्राव कठोर होकर एम्बरग्रीस का रूप ले लेता है। बाद में व्हेल इसे पाचन तंत्र से बाहर निकाल देती है, और यह समुद्र में तैरता रहता है।

स्वरूप और गुण (Appearance and Properties)

- ताजा एम्बरग्रीस से समुद्री और मल जैसी तीखी गंध आती है। लेकिन जब यह लंबे समय तक समुद्री पानी और हवा के संपर्क में रहता है, तो इसमें मीठी, मिट्टी जैसी और कस्तूरी जैसी मनमोहक सुगंध विकसित हो जाती है।
- इसका रंग गहरे भूरे और काले से लेकर हल्के भूरे और सफेद तक हो सकता है। हल्के रंग के टुकड़े प्रायः पुराने और अधिक परिष्कृत माने जाते हैं।

इत्र उद्योग में उपयोग (Use in Perfumery)

- एम्बरग्रीस इत्र-निर्माण में एक अत्यंत मूल्यवान घटक है। यह एक प्राकृतिक फिक्सेटिव के रूप में कार्य करता है, यानी यह अन्य सुगंध अवयवों के वाष्पीकरण की गति को धीमा करता है और सुगंध को लंबे समय तक टिकाए रखता है।
- उच्च गुणवत्ता वाले इत्रों में इसका प्रयोग अक्सर कस्तूरी जैसे अन्य प्राकृतिक अवयवों के साथ मिलाकर जटिल और टिकाऊ सुगंध तैयार करने के लिए किया जाता है।

तस्करी और कानूनी स्थिति (Smuggling and Legal Status)

- इसकी दुर्लभता और ऊँचे मूल्य के कारण एम्बरग्रीस की अवैध तस्करी प्रचलित है, खासकर तटीय क्षेत्रों में।
- भारत में इसका व्यापार वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अंतर्गत प्रतिबंधित है, क्योंकि शुक्राणु व्हेल एक संरक्षित प्रजाति है।

ऐतिहासिक और अन्य उपयोग (Historical and Other Uses)

- इतिहास में एम्बरग्रीस का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा, धूपबत्ती और मसाले के रूप में किया जाता रहा है।
- हालांकि आज इसके अधिकांश उपयोग पर प्रतिबंध है, फिर भी इत्र उद्योग में यह अब भी सबसे अधिक मांग वाला प्राकृतिक पदार्थों में से एक है।

शुक्राणु व्हेल (Sperm Whale)

- शुक्राणु व्हेल एक विशाल समुद्री जीव है, जो दुनिया के लगभग सभी महासागरों में पाया जाता है। यह दांतेदार व्हेल की सबसे बड़ी प्रजाति है और अपने अत्यधिक बड़े सिर के लिए जानी जाती है। नर शुक्राणु व्हेल, मादाओं की तुलना में कहीं अधिक बड़े होते हैं।

पहचान (Identification)

- इसका सबसे विशिष्ट लक्षण विशाल और चौड़ा सिर है, जो इसके शरीर के लगभग एक-तिहाई हिस्से को घेरता है।
- इसका शरीर प्रायः गहरे भूरे रंग का होता है।
- पृष्ठीय पंख के स्थान पर इसकी पीठ पर एक छोटा-सा कूबड़ होता है।
- इसकी पूंछ त्रिकोणीय आकार की होती है।
- इसके सिर के ऊपरी हिस्से के बाईं ओर एक ही S-आकार का ब्लोहोल होता है, जिससे यह सांस लेती है।
- शुक्राणु व्हेल गहरे समुद्र में गोता लगाने की क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं। कुछ व्हेल लगभग 2,800 मीटर की गहराई तक गोता लगा चुकी हैं।
- इसका मुख्य भोजन विशाल स्क्विड और अन्य गहरे समुद्र के जीव हैं।

अन्य विशेषताएँ (Other Features)

- किसी भी जानवर में सबसे बड़ा मस्तिष्क शुक्राणु व्हेल का होता है, जिसका वजन लगभग 21 पाउंड तक हो सकता है।
- यह व्हेल बहुत ऊँची आवाज़ें निकाल सकती है, जिनमें क्लिक और बज़ शामिल हैं। इन ध्वनियों का उपयोग शिकार खोजने और आपस में संवाद करने के लिए किया जाता है।
- इसके पेट में बनने वाला मोमी पदार्थ एम्बरग्रीस "समुद्र का सोना" कहलाता है, जिसका ऐतिहासिक रूप से उपयोग इत्र बनाने में किया जाता है।
- शुक्राणु व्हेल आज कई खतरों का सामना कर रही हैं। इनमें जहाज़ों से टकराना, मछली पकड़ने वाले जाल में उलझना और समुद्री प्रदूषण प्रमुख हैं।

स्क्विड

- स्क्विड, टेउथिडा (Teuthida) गण के समुद्री शिरस्यपाद (cephalopods) जीव हैं, जिनकी लगभग 300 प्रजातियों पायी जाती हैं।
- स्क्विड की चोंच काइटिन से बनी होती है, जो एक मजबूत, लेकिन लचीला पदार्थ है।

बेंगलुरु बना भारत का 'तेंदुआ राजधानी'

- बेंगलुरु के आस-पास तेंदुओं की संख्या का अनुमान लगाने, खंडित पारिस्थितिक क्षेत्रों में आवास उपयोग और गति पैटर्न का अध्ययन करने ओर मानव-तेंदुआ सह-अस्तित्व के लिए वैज्ञानिक संरक्षण रणनीतियाँ सुझाने के उद्देश्य से होलेमट्टी नेचर फाउंडेशन ने कैमरा ट्रैप सर्वे किया था।
- सर्वे के अनुसार बेंगलुरु मेट्रो सिटी में 80- 85 तेंदुआ रिकॉर्ड किए गए।
- जो मुम्बई में तेंदुओं की ज्ञात आबादी (54 तेंदुएं) से अधिक है।

होलेमट्टी नेचर फाउंडेशन (HNF) द्वारा किए गए एक साल लंबे सर्वेक्षण का निष्कर्ष

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

दुनिया का पहला कृत्रिम गर्भाशय (artificial womb)

- दुनिया का पहला कृत्रिम गर्भाशय (artificial womb) जापान में विकसित किया गया है।
- जापानी वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जो भ्रूण को मानव शरीर के बाहर सुरक्षित रूप से विकसित होने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में एक पारदर्शी, द्रव से भरे बायोबैग का उपयोग किया जाता है, जो प्राकृतिक गर्भाशय के वातावरण की नकल करता है और भ्रूण को आवश्यक ऑक्सीजन, पोषक तत्व तथा तरल संतुलन प्रदान करता है।
- यह तकनीक विशेष रूप से समय से पहले जन्मे शिशुओं के लिए लाभकारी मानी जा रही है, क्योंकि यह उन्हें माँ के गर्भ से बाहर भी सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण उपलब्ध कराती है।
- भविष्य में इसका उपयोग बांझपन के उपचार में भी किया जा सकता है, जिससे मातृत्व की परंपरागत अवधारणा बदल सकती है और नई संभावनाएँ सामने आ सकती हैं।
- हालाँकि, इसके साथ कई नैतिक और कानूनी प्रश्न भी जुड़े हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जीवन और गर्भधारण को किस हद तक एक "सेवा" के रूप में देखा जा सकता है और इसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ेगा।
- याद रहे 2022 में दुनिया का पहला कृत्रिम भ्रूण (Synthetic Embryo) इज़राइल के वीज़मैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के वैज्ञानिकों ने बनाया।

दुनिया का पहला कृत्रिम भ्रूण (Synthetic Embryo)

- 2022 में दुनिया का पहला कृत्रिम भ्रूण (Synthetic Embryo) इज़राइल के वीज़मैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के वैज्ञानिकों ने बनाया।
- इसे चूहे के स्टेम सेल से विकसित किया गया था। यह भ्रूण लगभग आठ दिनों तक जीवित रहा और इस दौरान इसमें धड़कता हुआ हृदय, रक्त कोशिकाएं, मस्तिष्क, तंत्रिका नली और आंत्र पथ का विकास हुआ।
- कृत्रिम भ्रूण प्राकृतिक निषेचन से नहीं, बल्कि स्टेम सेल से तैयार किया जाता है। इसके लिए वैज्ञानिकों ने स्टेम सेल को एक विशेष पात्र में रखा, जिसमें पोषक तत्वों से भरपूर घोल लगातार प्रवाहित किया जाता रहा और भ्रूण को गतिशील रखा गया ताकि रक्त प्रवाह की तरह पोषण मिलता रहे।
- यह खोज चिकित्सा अनुसंधान में बड़ी सफलता मानी जा रही है। इससे बांझपन के उपचार, समय से पहले जन्मे बच्चों को जीवनरक्षक सहायता देने और नई चिकित्सा तकनीकें विकसित करने में मदद मिल सकती है। साथ ही, पशु परीक्षणों को कम करने की संभावना भी बढ़ेगी।
- हालाँकि, इसके साथ कई नैतिक चिंताएँ जुड़ी हुई हैं। मानव भ्रूण पर इस तकनीक का उपयोग गंभीर नैतिक और कानूनी प्रश्न खड़े करता है। इसलिए इसके लिए कड़े अंतरराष्ट्रीय दिशा-निर्देश और विनियमन आवश्यक होंगे।

देश का पहला ड्रोन-आधारित क्लाउड सीडिंग प्रयोग

- राजस्थान के राज्य कृषि विभाग ने जल संकट को दूर करने और रामगढ़ झील को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से देश का पहला ड्रोन-आधारित क्लाउड सीडिंग प्रयोग शुरू किया है।
- यह प्रक्रिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित प्लेटफॉर्म 'हाइड्रो ट्रेस' के माध्यम से संचालित है, जो वास्तविक समय के आँकड़े, उपग्रह चित्रण और सेंसर नेटवर्क का उपयोग करके सही समय पर उपयुक्त बादलों को लक्षित करता है।
- इस तकनीक को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA), भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), ज़िला प्रशासन तथा कृषि विभाग सहित कई संस्थाओं से अनुमोदन प्राप्त हुआ है।

क्लाउड सीडिंग: अवधारणा और महत्व

- **परिभाषा:** क्लाउड सीडिंग एक मौसम संशोधन तकनीक है, जिसमें बादलों के भीतर जल-बूंदों या बर्फ के क्रिस्टल बनने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए विशिष्ट रसायनों का छिड़काव किया जाता है।
- **उपयोग किए जाने वाले रसायन:** इसमें मुख्यतः सिल्वर आयोडाइड, पोटैशियम आयोडाइड या शुष्क बर्फ का उपयोग होता है, जो नाभिक के रूप में कार्य करते हैं।
- **उद्देश्य**:
  - ✓ वर्षा या हिमपात की मात्रा बढ़ाना।
  - ✓ ओलावृष्टि को रोकना और धुंध को कम करना (विशेष रूप से हवाई अड्डों पर)।
  - ✓ उच्च AQI की स्थिति में वायु प्रदूषण को घटाना।
- **लाभ:** जल उपलब्धता में वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण, कृषि उत्पादन में सुधार तथा मानव स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव।

क्लाउड सीडिंग तकनीकों का वर्गीकरण

1. हाइग्रोस्कोपिक क्लाउड सीडिंग

- हाइग्रोस्कोपिक क्लाउड सीडिंग एक मौसम संशोधन तकनीक है जिसका उद्देश्य गर्म बादलों में हाइग्रोस्कोपिक (जल-आकर्षित) कणों को प्रविष्ट कराकर वर्षा को प्रेरित करना है ।
- ये कण, जो प्रायः **सोडियम क्लोराइड** जैसे लवण होते हैं, बादल संघनन नाभिक के रूप में कार्य करते हैं, तथा बड़े बादल बूंदों के विकास को बढ़ावा देते हैं और संभावित रूप से वर्षा का कारण बनते हैं।
- यह विधि विशेष रूप से **गर्म, नम हवा वाले क्षेत्रों में उपयोगी है, जहां पारंपरिक बर्फ-न्यूक्लियेटिंग एजेंट प्रभावी नहीं हो सकते हैं।**

2. डायनामिक क्लाउड सीडिंग

- गतिशील क्लाउड सीडिंग मौसम परिवर्तन की एक विधि है जिसका उद्देश्य बादलों के भीतर ऊर्ध्वाधर वायु धाराओं को बढ़ाकर वर्षा को बढ़ाना है।
- यह प्रक्रिया स्थैतिक क्लाउड सीडिंग की तुलना में अधिक जटिल है , क्योंकि यह सफल होने के लिए घटनाओं के एक विशिष्ट अनुक्रम पर निर्भर करती है।
- यह स्थैतिक क्लाउड सीडिंग से भिन्न है, क्योंकि इसमें बर्फ के नाभिकों को सीधे तौर पर स्थापित करने के बजाय वायु धाराओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

3. स्थैतिक क्लाउड सीडिंग

- स्थैतिक क्लाउड सीडिंग एक मौसम संशोधन तकनीक है जिसका उद्देश्य अतिशीतित तरल जल युक्त ठंडे बादलों में सिल्वर आयोडाइड जैसे बर्फ के नाभिकों को प्रविष्ट कराकर वर्षा को बढ़ाना है।

इतिहास कला एवं संस्कृति

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जयन्ती

चर्चा में क्यों ?

- लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयन्ती देश भर में 23 जुलाई को मनाई गयी।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

- लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के चिखली गाँव में हुआ था और उनका निधन 1 अगस्त 1920 को मुंबई में हुआ। उनका मूल नाम केशव गंगाधर तिलक था।

- वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के आरंभिक और प्रभावशाली नेताओं में से एक थे। ब्रिटिश पत्रकार वैलेंटाइन शिरोल ने अपनी पुस्तक 'इंडियन अनरेस्ट' में तिलक को 'भारतीय अशांति का जनक' कहा था। उन्हें 'लोकमान्य' की उपाधि जनता द्वारा दी गई, जिसका अर्थ है – 'जनता द्वारा स्वीकृत नेता'।
- तिलक ने कहा था: **"स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।"**
- यह नारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अत्यंत प्रेरणास्पद और प्रसिद्ध हुआ।
- वे **लाल-बाल-पाल तिकड़ी** (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल) के सदस्य थे, जो कांग्रेस के गरम दल का हिस्सा थे।
- 1907 में सूरत अधिवेशन में कांग्रेस नरमपंथी और गरमपंथी दलों में विभाजित हो गई।
- 1908 में क्रांतिकारी गतिविधियों का समर्थन करने के कारण तिलक को राजद्रोह के आरोप में 6 वर्ष की सजा सुनाई गई और उन्हें म्यांमार (तत्कालीन बर्मा) के मांडले जेल में रखा गया। **वहीं पर उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य' लिखी।**
- राजद्रोह का एक अन्य मामला 1897 में उनके केसरी पत्र में प्रकाशित "देश का दुर्भाग्य" शीर्षक लेख के कारण दर्ज हुआ था, जिसके तहत उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 124A के अंतर्गत सजा दी गई थी।
- शिक्षा क्षेत्र में योगदान हेतु तिलक ने 1884 में डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना की और 1885 में पुणे में फर्ग्यूसन कॉलेज की स्थापना में भूमिका निभाई।
- 1916 में एनी बेसेंट के साथ मिलकर 'ऑल इंडिया होम रूल लीग' की स्थापना की, जो स्वराज की मांग को जन आंदोलन में बदलने का प्रयास था। इसी काल में उन्हें व्यापक जनसमर्थन मिला और "लोकमान्य" उपाधि लोकप्रिय हुई।
- तिलक ने जनता को संगठित करने के लिए गणेश उत्सव और शिवाजी उत्सव जैसे सार्वजनिक आयोजनों की शुरुआत की, जिससे राष्ट्रवाद को सामाजिक और सांस्कृतिक मंच मिला।
- उन्होंने 'केसरी' (मराठी) और 'मराठा' (अंग्रेज़ी) नामक समाचार पत्रों के माध्यम से ब्रिटिश शासन की आलोचना की और स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक आधार दिया।
- उनकी प्रमुख पुस्तकें हैं:
  - ✓ गीता रहस्य (मांडले जेल में लिखी गई)
  - ✓ The Arctic Home in the Vedas (1903)
  - ✓ The Orion
  - ✓ The Hindu Philosophy of Life, Ethics and Religion (1887)
- 1919 में अमृतसर कांग्रेस अधिवेशन में भाग लेने के बाद, उन्होंने मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के माध्यम से विधायी परिषदों में भारतीय भागीदारी को एक अवसर के रूप में देखा, जबकि गांधी जी का बहिष्कार का रुख था।
- उनकी मृत्यु के बाद महात्मा गांधी ने उन्हें 'आधुनिक भारत का निर्माता' कहा और नेहरू ने उन्हें 'भारतीय क्रांति का जनक' बताया।

अरुणा आसफ अली जयन्ती

चर्चा में क्यों ?

- *अरुणा आसफ अली भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक प्रखर वीरांगना थीं, जिन्हें 'भारत की ग्रैंड ओल्ड लेडी' तथा 'भारत छोड़ो आंदोलन की हीरोइन' के रूप में सम्मानित किया जाता है। प्रत्येक वर्ष उनकी जयंती 16 जुलाई को मनाई जाती है।*

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- **नमक सत्याग्रह (1930):** अरुणा आसफ अली ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाए गए नमक सत्याग्रह में सक्रिय भाग लिया और अंग्रेजी हुकूमत के नमक कानून का पालन न करने के अपने निर्णय के माध्यम से लोकमानस में जागरूकता फैलाई।
- **तिहाड़ जेल में भूख हड़ताल (1932):** 1932 में गिरफ्तारी के पश्चात् तिहाड़ जेल में उन्होंने राजनीतिक कैदियों के बेहतर अधिकारों के लिए भूख हड़ताल की, जिससे ब्रिटिश प्रशासन पर दबाव बना और कैदियों की स्थिति सुधारने हेतु बातचीत शुरू हुई।
- **भारत छोड़ो आंदोलन (1942):** अरुणा आसफ अली ने 9 अगस्त 1942 को बॉम्बे के गोवालिया टैंक मैदान में कांग्रेस का झंडा फहराकर भारत छोड़ो आंदोलन का पहला प्रकाशपातक संदेश दिया। इसके पश्चात्

कल्याणकारी योजनायें (केंद्र एवं राज्य)

केन्द्र सरकार की योजनाएँ : पूर्ण परिचय

नमामि गंगे योजना

- **शुरुआत** : 10 जुलाई, 2014 को **जल संसाधन मंत्रालय** द्वारा **20,000 करोड़** रुपये के बजट के साथ 2021 तक के लिए लॉन्च किया गया था।
- 'नमामि गंगे कार्यक्रम', यह एक एकीकृत संरक्षण मिशन है, इसे केंद्र सरकार द्वारा **'फ्लैगशिप कार्यक्रम'** के रूप में अनुमोदित किया गया था।
- **इस योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय नदी गंगा के प्रदूषण में प्रभावी कमी, संरक्षण और पुनरुद्धार के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करना है।**
- अब इसे 22,500 करोड़ रुपये (कुल 42,500 करोड़ रुपये) के साथ मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है।
- **नमामि गंगे कार्यक्रम के मुख्य स्तंभ हैं –**
  - सीवरेज उपचार अवसंरचना
  - नदी-तट विकास
  - नदी सतह की सफाई
  - जैव विविधता
  - वनीकरण
  - जन जागरण
  - औद्योगिक अपशिष्ट निगरानी
  - गंगा ग्राम

प्रधानमंत्री जनधन योजना

- **शुरुआत** : 28 अगस्त, 2014 को वित्त मंत्रालय द्वारा
- प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) भारत में वित्तीय समावेशन पर राष्ट्रीय मिशन है।
- जिसका उद्देश्य देश भर में सभी परिवारों को बैंकिंग सुविधाएं मुहैया कराना और हर परिवार का कम से कम एक बैंक खाता खोलना है।
- लाभ - 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा तथा 30,000 रुपये का जीवन बीमा

मेक इन इंडिया

- **शुरुआत** : 25 सितम्बर, 2014 को
- मेक इन इंडिया (Make in India) भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य **भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र** बनाना है।
- इस पहल का मुख्य लक्ष्य भारत में निवेश को आकर्षित करना, उत्पादन को बढ़ावा देना और रोजगार के अवसर सृजित करना है।

सांसद आदर्श ग्राम योजना

- इस योजना की शुरुआत जयप्रकाश नारायण के जन्मदिन पर 11 अक्टूबर, 2014 को हुई।
- सांसद आदर्श ग्राम योजना गावों के निर्माण और विकास हेतु कार्यक्रम है। जिसका मुख्य लक्ष्य ग्रामीण इलाकों में विकास करना है।
- उद्देश्य प्रत्येक सांसद द्वारा वर्ष 2019 तक तीन गाँव तथा वर्ष 2024 तक कुल 8 गाँवों को गोद लेकर विकसित करना है।

इंद्रधनुष अभियान

- **शुरुआत** : 25 दिसम्बर, 2014 को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा।
- इंद्रधनुष मिशन (मिशन इंद्रधनुष) भारत सरकार का एक **स्वास्थ्य कार्यक्रम** है।
- **उद्देश्य** : 2020 तक संपूर्ण टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करना।
- इसका उद्देश्य बच्चों में टीकाकरण की कवरेज को बढ़ाना और बाल मृत्यु दर को कम करना है। मिशन इंद्रधनुष, भारत के सभी जिलों में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत टीकाकरण से छूटे हुए बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचने का प्रयास करता है।
- इस योजना के अंतर्गत 7 बीमारियों (डिफ्थीरिया, काली खाँसी, टिटनेस, पोलियो, टीबी, खसरा और हेपेटाइटिस 'बी') के लिए टीकाकरण होगा।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना

- शुरुआत 22 जनवरी, 2015 को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा
- उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और लिंगानुपात को बढ़ाना।

प्रधानमंत्री 'मुद्रा' योजना

- शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को
- MUDRA: Micro Units Development & Refinance Agency
- उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमों के क्षेत्र के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना एवं ऋण (प्रकारशिशु, किशोर तथा तरूण) उपलब्ध कराना
- शिशु के तहत 50 हजार, किशोर के तहत 5 लाख तथा तरुण के तहत 10 लाख रुपए तक के लोन देने का प्रावधान है।

अटल पेंशन योजना

- शुरुआत 9 मई, 2015 को वित्त मंत्रालय द्वारा
- इसके अंतर्गत 18 से 40 वर्ष के व्यक्ति बैंक में जमा किये गए रुपये के आधार पर 1 हजार से 5 हजार तक का पेंशन प्राप्त कर सकता है।

अमरूत योजना

- शुरुआत 24 जून, 2015 को
- AMRUT: Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation
- इस योजना के अंतर्गत 100 स्मार्ट सिटी बनाने, 500 शहरों में आधारभूत सुविधाओं का विकास करने और 2022 तक शहरी इलाकों में सभी के लिए घर बनाने की योजना शामिल है।

स्मार्ट सिटी मिशन

- शुरुआत 25 जून, 2015 को
- उद्देश्य 100 शहरों का चयन कर विकास करना (सिंगापुर के सहयोग से

प्रधानमंत्री आवास योजना

- शुरुआत 25 जून, 2015 को
- उद्देश्य 2022 तक 2 करोड़ नये घरों का निर्माण करना

डिजिटल इंडिया मिशन

- शुरुआत 1 जुलाई, 2015 को
- उद्देश्य सरकारी सेवाओं को इलेक्ट्रॉनिकली जनता को उपलब्ध कराना

स्कील इंडिया मिशन

महत्वपूर्ण व्यक्ति

निधन

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक

- **निधन :** 5 अगस्त 2025
- सत्यपाल मलिक जी का निधन 5 अगस्त 2025 को हो गया है। वह पिछले कुछ समय से न्यूदिल्ली स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल (RML Hospital) में इलाजाधीन थे।
- सत्यपाल मलिक ने 1974 में समाजवादी राजनीति से अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत की।
- उन्होंने लोकदल, कांग्रेस, जनता दल और भाजपा सहित कई राजनीतिक दलों से जुड़कर कार्य किया।
- उन्होंने बिहार, ओडिशा (संयुक्त प्रभार), जम्मू-कश्मीर, गोवा और मेघालय के राज्यपाल के रूप में सेवा दी।
- वे 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के अंतिम राज्यपाल रहे।
- उनके कार्यकाल में 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया।
- राज्यपाल पद से हटने के बाद उन्होंने मोदी सरकार की कई नीतियों की आलोचना की।
- उन्होंने किसानों के आंदोलन और पुलवामा आतंकी हमले की सुरक्षा चूक के मुद्दे को विशेष रूप से उठाया।
- उनका आरोप था कि पुलवामा हमले की सुरक्षा चूक पर चिंता न जताने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और NSA अजीत डोभाल ने उन्हें रोका था।
- उन्हें किसान-हितैषी नेता माना जाता था।
- उनका जीवन सादगीपूर्ण था और वे ईमानदारी व सत्यनिष्ठा के प्रतीक के रूप में याद किए जाते हैं।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन

- **निधन :** 4 अगस्त 2025
- शिबू सोरेन का 81 वर्ष की उम्र में आज 4 अगस्त 2025 को दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया।
- शिबू सोरेन झारखंड के महान आदिवासी नेता थे, जिन्हें "दिशोम गुरु" (देश का गुरु) कहा जाता था। उनका जन्म 11 जनवरी 1944 को नेमरा गाँव, रामगढ़ (अब साहेबगंज, झारखंड) में हुआ।
- वे संथाल आदिवासी परिवार से थे और उनके पिता सोबरन सोरेन किसान थे।
- 13 वर्ष की आयु में महाजनी उत्पीड़न का विरोध करने पर उनके पिता की हत्या हुई, जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी।
- उन्होंने महाजनी प्रथा, शराबखोरी, ज़मींदारी व सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध आंदोलन शुरू किया।
- उन्होंने 'सन्थाल नवयुवक संघ' की स्थापना कर आदिवासी युवाओं को संगठित किया।
- 4 फरवरी 1973 को विनोद बिहारी महतो और ए.के. रॉय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) की स्थापना की।
- JMM का मुख्य उद्देश्य बिहार से अलग झारखंड राज्य की माँग को लेकर संघर्ष करना था।
- 1980 में पहली बार दुमका से लोकसभा सांसद चुने गए और कुल 8 बार इस सीट से विजयी हुए।
- उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता भी निभाई और 2004 में केंद्र सरकार में कोयला मंत्री बने। वे तीन बार केंद्रीय कोयला मंत्री रहे।
- 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य के गठन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।
- वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने (2005, 2008, 2009), परंतु कोई कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए।
- उनके राजनीतिक जीवन में चिरुदीह हत्याकांड (1975) और शशिनाथ झा हत्याकांड (1994) विवादास्पद रहे।
- 2006 में शशिनाथ झा हत्याकांड में उम्रकैद की सजा हुई, पर बाद में कानूनी राहत मिली।

लॉर्ड मेघनाद देसाई

- **निधन :** 29 जुलाई 2025
- 29 जुलाई 2025 को भारतीय मूल के ब्रिटिश अर्थशास्त्री और लेखक लॉर्ड मेघनाद देसाई का निधन हुआ।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन

- **निधन :** 21 जुलाई 2025
- केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन का 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।

विजय रूपाणी

- **निधन :** 12 जून 2025
- गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का 12 जून, 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया AI-171 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से अहमदाबाद में निधन हो गया है।
- एयर इंडिया AI-171 विमान में कुल कुल 242 यात्री सवार थे जिसमे से 241 यात्रीओं की मृत्यु हो गयी।
- विजय रूपाणी अपनी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों से मिलने के लिए लंदन जा रहे थे।
- इनका जन्म 1956 में म्यांमार के यांगून में हुआ था। वे बचपन में अपने परिवार के साथ गुजरात के राजकोट चले गए और सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई की।
- उन्होंने 2016 से 2021 के बीच दो कार्यकालों में गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला।
- RSS और ABVP के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले रूपाणी को 1976 में आपातकाल विरोधी आंदोलन के दौरान जेल जाना पड़ा था।
- 2006 में राज्यसभा के लिए चुने गए।

- ***रामसे ब्रदर्स नाम का उपयोग बॉलीवुड फिल्म निर्माताओं के परिवार के लिए किया जाता है***। वे 1980 से 1990 के दशक में हॉरर फिल्मों को बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं।

विश्वेश्वर राव

- **निधन :** 2 अप्रैल 2024
- तमिल अभिनेता

अजीज कुरैशी

- **निधन :** 1 मार्च 2024
- जन्म - 24 अप्रैल, 1940, भोपाल (मध्य प्रदेश)
- 1972-77 में पहली बार मध्य प्रदेश की सीहोर सीट से विधायक चुने गये।
- 1984 में आठंवी लोकसभा में कांग्रेस(आई) के लिए सतना मध्यप्रदेश से सांसद निर्वाचित हुए।
- 15 मई 2012 में उत्तराखंड के राज्यपाल चुने गये
- 23.06.2014 से 22.07.2014 तक राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के पद का अतिरिक्त कार्यभार।
- ये मिजोरम के भी राज्यपाल रहे ।

चर्चित व्यक्ति	
अमीर महतो	झारखंड में पहले ट्रांसजेंडर, जिन्हें 'सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी' के रूप में नियुक्त किया गया है।
वॉन गेथिंग	**वॉन गेथिंग**, वेल्श लेबर पार्टी के नेता और वेल्स के मंत्री चुने गए, जिससे वह **किसी भी यूरोपीय देश के पहले अश्वेत नेता बने।** उनका जन्म ज़ाम्बिया में हुआ था और बाद में वह अपने परिवार के साथ वेल्स चले गए।

चर्चित महिलाएं

चर्चित राष्ट्रीय महिलाएं

आस्था पूनिया

- सब-लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया नौसेना विमानन की लड़ाकू शाखा में शामिल होने वाली पहली महिला अधिकारी हैं।
- उन्हें विशाखापत्तनम स्थित INS डेगा में द्वितीय बेसिक हॉक कन्वर्जन कोर्स के स्नातक समारोह के दौरान प्रतिष्ठित 'विंग्स ऑफ गोल्ड' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उषा चिलुकुरी वेंस

- अमेरिका की सेकंड लेडी उषा चिलुकुरी वेंस बनी हैं।

जाह्नवी डांगेती (Jahnavi Dangeti)

- आंध्र प्रदेश की 23 वर्षीय जाह्नवी डांगेती को 2029 के अमेरिकी टाइटन्स स्पेस मिशन के लिए चुना गया है।
- इस मिशन में वे दो बार पृथ्वी की परिक्रमा करेंगी तथा लगभग 3 घंटे शून्य गुरुत्वाकर्षण (Zero Gravity) में रहेंगी। वे NASA के स्पेस प्रोग्राम को पूरा करने वाली पहली भारतीय बनेंगी।

माधवी मनु कश्यप

- देश और बिहार की पहली ट्रांसजेंडर दरोगा

सुप्रीता सीटी

- कैप्टन सुप्रीता सीटी, सियाचिन ग्लेशियर में तैनात होने वाली आर्मी एयर डिफेंस कोर की पहली महिला अधिकारी बनी हैं।
- 26 जनवरी, 2024 को, उन्होंने और उनके पति ने दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लिया, जो कि भारतीय सेना के किसी जोड़े द्वारा पहली बार था।

अनामिका राजीव

- अनामिका राजीव भारतीय नौसेना की पहली महिला हेलीकॉप्टर पायलट बनीं।

डॉ. अक्षता कृष्णामूर्ति

- डॉ. अक्षता कृष्णामूर्ति मंगल ग्रह पर रोवर संचालित करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी

- वायु सेना (आईएएफ) की एक महिला अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी, किसी भी भारतीय की पहली महिला सहायक-डी-कैंप (एडीसी) के रूप में नियुक्त हुई हैं।
- इन्होने मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति के एड-डी-कैंप (एडीसी) में नियुक्त किया गया है।
- इसी के साथ मनीषा पाढ़ी देश की पहली महिला एडीसी बन गई हैं।
- भारतीय वायुसेना की स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी 2015 बैच की यह IAF अधिकारी हैं।

ए-डी-कैंप (एडीसी)

- ए-डी-कैंप (एडीसी) एक फ्रांसीसी शब्द है जिसका अर्थ "कैंप का सहायक" है। यह एक सैन्य अधिकारी होता है जो उच्च पदस्थ अधिकारियों, जैसे कि राष्ट्रपति, सेनाध्यक्ष, या राज्यपाल, का निजी सहायक या सचिव होता है.
- एडीसी की भूमिका में उच्च पदस्थ व्यक्ति की व्यक्तिगत और प्रशासनिक सहायता प्रदान करना शामिल है, जिसमें उनके दैनिक कार्यक्रम का प्रबंधन करना, कार्यों को प्राथमिकता देना और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि सभी कार्य अच्छी तरह से समन्वित हों।

आरती सरीन

- वाइस एडमिरल डा. आरती सरीन, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के महानिदेशक (डीजीएएफएमएस) का पदभार संभालने वाली पहली महिला अधिकारी बन गयी हैं।

प्रो. नईमा खातून

- प्रो. नइमा खातून को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के 100 से अधिक वर्षों के इतिहास में पहली महिला कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया है।
- वे पॉलिटिकल सायकोलॉजी की प्रोफेसर हैं और 2014 में महिला कॉलेज की प्राचार्या के पद पर नियुक्त हुई थीं।

लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर

- लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर ने महानिदेशक चिकित्सा सेवा का पदभार संभाला है।

चर्चित स्थल

इलियाम्ना ज्वालामुखी (USA)

- हाल ही में अमेरिका (यूएसए) में ग्लेशियर से ढके इलियाम्ना ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ है।

धुलिखेल शहर (नेपाल)

- 30 अगस्त, 2024 को **नेपाल के धुलिखेल** शहर को पहली बार WHO ने **देश का पहला 'स्वस्थ शहर' (Healthy City)** घोषित किया। यह घोषणा धुलिखेल द्वारा स्वास्थ्य और कल्याण के लिए किए गए उत्कृष्ट प्रयासों को मान्यता देती है। WHO ने दो साल तक धुलिखेल की निगरानी करने के बाद, अगस्त 2024 में इसे स्वस्थ शहर घोषित किया।

किश्तवाड़ में बादल फटने से 12 लोगों की मौत, मचैल माता यात्रा स्थगित

- जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चोसोती गाँव में भीषण बादल फटने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई।
- बचाव और राहत अभियान जारी रहने के कारण मचैल माता यात्रा स्थगित कर दी गई है।

किश्तवाड़

- किश्तवाड़ जम्बू कश्मीर का एक जिला और जिला मुख्यालय है।
- यहाँ किश्तवाड़ नेशनल पार्क , चौगाँव, सिंथन टॉप पहाड़ी दर्रा और हिल स्टेशन एवं मचैल माता मंदिर प्रमख पर्यटन स्थल हैं।
- सिंथन टॉप जम्मू और कश्मीर में एक खूबसूरत पहाड़ी दर्रा है, जो दक्षिण कश्मीर की ब्रेंग घाटी और किश्तवाड़ जिले के बीच स्थित है। यह समुद्र तल से लगभग 12,440 फीट की ऊंचाई पर है और इसे एक हिल स्टेशन के रूप में भी जाना जाता है। सिंथन टॉप ट्रैकिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी साहसिक गतिविधियों के लिए एक लोकप्रिय स्थान है।

मचैल माता मंदिर

- भारत में जम्मू क्षेत्र के किश्तवाड़ जिले में मचैल गांव में स्थित मचैल माता मंदिर, देवी दुर्गा का मंदिर है, जिसे मचैल माता के नाम से जाना जाता है। मचैल गांव में स्थित होने के कारण इसका नाम पड़ा है
- मंदिर का इतिहास ज़ोरावर सिंह कहलूरिया की विजयों से जुड़ा है, जिन्होंने 1834 में लद्दाख के स्थानीय बोटिस की सेना को हराने के लिए 5000 सैनिकों के साथ पहाड़ों और सुरू नदी (सिंधु) को पार करने से पहले मचैल माता का आशीर्वाद लिया था। सफल अभियान के बाद वे उनके एक वफादार भक्त बन गए।
- यह क्षेत्र भोट समुदाय और ठाकुर समुदाय का निवास स्थान है, जो नाग पूजक हैं और महाराजा रणबीर सिंह ने इसे किश्तवाड़ तहसील में मिला दिया था।
- हर साल हज़ारों लोग मुख्य रूप से जम्मू क्षेत्र से इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं। यह तीर्थयात्रा हर साल अगस्त के महीने में ही होती है।
- 1987 से, ठाकुर कुलवीर सिंह ने 'छड़ी यात्रा' शुरू की, हर साल भद्रवाह के चिनोट से पद्दार के मचैल तक होने वाली 'छड़ी यात्रा' के दौरान हर साल हज़ारों लोग इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं।

खाम नदी

खबरों में क्यों?

- यह अपने पुनरुद्धार प्रयासों के लिए जानी जाती है, जो एक प्रदूषित नाले से एक संपन्न, जैव विविधता वाले रिवरफ्रंट में बदल गई है।

खाम नदी

- खाम नदी भारत के महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित एक मौसमी नदी है, जो विशेष रूप से औरंगाबाद शहर से होकर बहती है।
- यह नदी जटवाड़ा पहाड़ियों से निकलती है, औरंगाबाद से 8.8 किलोमीटर तक बहती है, और अंततः पैठण के नटशागर में गोदावरी नदी में मिल जाती है।
- नदी के किनारे 5 किलोमीटर का इकोपार्क विकसित किया गया है, जिसमें पुनर्जीवित मीठे पानी के तालाब, आर्द्रभूमि, पैदल पथ और एक एम्फीथियेटर शामिल हैं।

चागोस द्वीपसमूह

चर्चा में क्यों ?

- 22 मई, 2025 को यूके ने चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंप दी।

चागोस द्वीपसमूह

- हिंद महासागर में स्थित यह द्वीपसमूह मालदीव से लगभग 500 किलोमीटर दक्षिण में है। इसमें **सात एटोल और 60 से अधिक द्वीप** शामिल हैं।
- इनमें से डिएगो गार्सिया सबसे बड़ा और प्रमुख द्वीप है।
- 1814 की पेरिस संधि के तहत फ्रांस ने चागोस द्वीपसमूह को ब्रिटेन को सौंप दिया।

- 1965 में, ब्रिटेन ने मॉरीशस से चागोस द्वीपसमूह अलग कर ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (BIOT) बनाया, जबकि उस समय मॉरीशस अभी भी ब्रिटिश उपनिवेश था।
- 1960-70 के दशक में, डिएगो गार्सिया पर अमेरिकी सैन्य अड्डा बनाने के लिए द्वीपों के मूल निवासियों को जबरन विस्थापित किया गया।
- मॉरीशस ने इस कदम को अवैध बताते हुए चागोस पर अपना दावा बनाए रखा।
- 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे मॉरीशस का अभिन्न हिस्सा घोषित किया।

खेल परिदृश्य

अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (WWC) 2025 चयन में हरियाणा की महिला खिलाड़ियों का वर्चस्व

- अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (WWC) 2025 के लिये भारतीय महिला कुश्ती टीम का चयन कर लिया गया है, जिसमें दस में से नौ पहलवान हरियाणा से हैं। चयनित 10 पहलवानों में से केवल वैष्णवी पाटिल महाराष्ट्र से हैं।
- यह उपलब्धि महिला कुश्ती में हरियाणा के वर्चस्व को दर्शाती है।

अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (WWC) 2025

- यह चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक ज़ाग्रेब (क्रोएशिया) में आयोजित की जाएगी। यह क्रोएशिया द्वारा आयोजित पहली विश्व कुश्ती चैंपियनशिप होगी।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (WWC)

- विश्व कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) द्वारा किया जाता है।
- UWW कुश्ती के खेल की अंतर्राष्ट्रीय नियामक संस्था है, जिसमें ग्रीको-रोमन कुश्ती (केवल पुरुष) और फ्रीस्टाइल कुश्ती (पुरुष और महिला) दोनों शामिल हैं।
- UWW का मुख्यालय कोर्सियर-सुर-वेवे, स्विट्ज़रलैंड में है।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत की उपलब्धियाँ

- भारत ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अब तक कुल 23 पदक जीते हैं, जिनमें 1 स्वर्ण, 5 रजत, और 17 कांस्य पदक शामिल हैं।

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (WWC) में भीलवाड़ा की अश्विनी विश्नोई ने जीता स्वर्ण

- आयोजन - ग्रीस के एथेंस में (28 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक)
- स्वर्ण पदक विजेता - अश्विनी विश्नोई (भारत - भीलवाड़ा की) : **इस जीत के साथ वह इस प्रतिष्ठित खिताब को जीतने वाली राजस्थान की पहली महिला पहलवान बन गई हैं।**
- **रजत पदक :** जियाओ (चीन)

- **रौनक दहिया** ने **अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (पुरुष वर्ग में)** में **कांस्य पदक** जीता।

7वाँ , खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025

- 4 से 15 मई 2025 तक सरकार की **खेलो इंडिया पहल के तहत**, खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का **7वाँ संस्करण बिहार के पाँच ज़िलों (पटना, राजगीर, बेगूसराय, गया और भागलपुर)** में आयोजित किया गया। जबकि तीन प्रमुख **स्पर्द्धाएँ- जिमनास्टिक, शूटिंग और साइकिलिंग**, **नई दिल्ली** में आयोजित की गईं थी।
- **शुभंकर :** गजसिम्हा (हाथी की ताकत और शेर के साहस का प्रतीक)
- **थीम: खेल के रंग , बिहार के संग**
- यह आयोजन **27 खेलों में संपन्न** हुआ, जिसमें कुल **285 स्वर्ण पदक प्रदान किये** गये।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता प्रमुख राज्य

स्थान	राज्य	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	महाराष्ट्र	58	47	53	158
2	हरियाणा	39	27	51	117
3	राजस्थान	24	12	24	60
4	कर्नाटक	17	26	15	58
5	दिल्ली	16	20	32	68
6	तमिलनाडु	15	21	29	65
7	उत्तर प्रदेश	14	20	18	52
8	केरल	12	5	8	25
9	मणिपुर	11	8	11	30
10	मध्य प्रदेश	10	9	13	32

नोट- यह पहली बार है जब बिहार ने इतने अधिक पदक जीते।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG)

- खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG) भारत सरकार द्वारा संचालित एक राष्ट्रीय स्तर की बहु-विषयक खेल प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन स्कूली और कॉलेज स्तर के छात्रों के लिए किया जाता है।
- इस प्रतियोगिता की शुरुआत वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी एरिना में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के रूप में की गई थी।
- वर्ष 2019 में इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' कर दिया गया।
- यह कार्यक्रम भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- इसका प्रमुख उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और ज़मीनी स्तर की प्रतिभाओं की पहचान और विकास सुनिश्चित करना है।
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स दो श्रेणियों में आयोजित किए जाते हैं
  1. 17 वर्ष से कम आयु के स्कूली छात्र।
  2. 21 वर्ष से कम आयु के कॉलेज विद्यार्थी।

पांचवा खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025	
आयोजन	लेह (लद्दाख) एवं गुलमर्ग (जम्मू कश्मीर) दो चरणों में
शुभंकर	हिम तेंदुआ (सीन-रा-सी) शान
कुल शामिल खेल	6
कुल टीमें	19
प्रथम चरण (23-27 जनवरी 2025)	
प्रथम स्थान	लद्दाख (कुल 7 पदक) (4 स्वर्ण, 2 रजत, 1 कांस्य)
दूसरा स्थान	तमिलनाडु
तीसरा स्थान	महाराष्ट्र

- भारत ने 17 साल बाद टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता है।
- 21 अक्टूबर, 2024 को कगिसो रबाडा टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 300 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं।
- 30 सितम्बर, 2024 को रवींद्र जडेजा टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बाएं हाथ के स्पिनर बने।
- 30 नवम्बर, 2024 को ICC टेस्ट रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह विश्व के नंबर 1 बॉलर बने हैं।
- **स्मृति मंधाना** भारत के लिए **एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे अधिक शतक** लगाने वाली **महिला क्रिकेटर** बनीं।
- स्मृति मंधाना वनडे में सबसे तेज शतक (70 गेंद) जड़ने वाली भारतीय बनी।
- **अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना हैं।**
- **टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट** में **भारतीय टीम** ने **बांग्लादेश** के खिलाफ **297 रन** बनाकर अपना **दूसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर** दर्ज किया।
- अजय रात्रा को पुरुष क्रिकेट टीम का चयनकर्ता नियुक्त किया गया है।
- 30 दिसम्बर, 2024 को जारी T20 ऑलराउंडर रैंकिंग में हार्दिक पांड्या शीर्ष पर रहे हैं।
- 30 दिसम्बर, 2024 को जारी ICC टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में रवीन्द्र जडेजा शीर्ष पर रहे हैं।
- भारतीय महिला टीम ने T20I क्रिकेट इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया है।
- ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह शीर्ष गेंदबाज़ बने हैं।
- 22 नवम्बर, 2024 को झूलन गोस्वामी के सम्मान में ईडन गार्डन स्टेडियम में एक स्टैंड का नाम रखा गया है।
- 21 नवम्बर, 2024 को ICC T20 ऑलराउंडर रैंकिंग में हार्दिक पांड्या शीर्ष पर रहे हैं।
- विश्व के नंबर 1 वनडे बॉलर शाहीन अफरीदी बने हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने संजोग गुप्ता को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है।
- शेफाली वर्मा टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक बनाने वाली महिला खिलाड़ी बन गई हैं।
- **हरमनप्रीत सिंह** को पुरुष वर्ग में **"Hockey India Balbir Singh Sr. Award for Player of the Year 2024"** (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी – पुरुष) का सम्मान प्राप्त हुआ, जबकि **सविता पुनिया** को महिलाएँ वर्ग में यह पुरस्कार मिला था।
- पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। यह सम्मान उन्हें 2025 के लिए दिया गया है। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले 11वें भारतीय खिलाड़ी हैं। धोनी के साथ-साथ, इस वर्ष आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले अन्य खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलियाई महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला शामिल हैं। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना क्रिकेट के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है, और यह उन खिलाड़ियों को सम्मानित करता है जिन्होंने खेल में उत्कृष्ट योगदान दिया है।
- **सलीमा इम्तियाज अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट अंपायर** बनने वाली **प्रथम पाकिस्तानी महिला** बन गई हैं।
- **आर. अश्विन आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप** के इतिहास में **सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़** बन गए हैं।
- चेन्नई शहर में रविचंद्रन अश्विन के नाम पर एक सड़क का नाम रखा जाएगा।
- टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय आर. अश्विन बने हैं।
- **भारत** को **2025 टी20 एशिया कप** की **मेजबानी** सौंपी गई।
- **हरमनप्रीत कौर** भारत की ओर से **महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट** में **सर्वाधिक रन** बनाने वाली **खिलाड़ी** बनीं।
- **ओलंपिक ई-स्पोर्ट्स 2025** का आयोजन **सऊदी अरब** में किया जाएगा।
- **गौतम गंभीर** को **भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच** नियुक्त किया गया।
- **शेफाली वर्मा महिला टेस्ट क्रिकेट** में **सबसे तेज दोहरा शतक** लगाने वाली **खिलाड़ी** बनीं।

कबड्डी

- 2025 में महिला कबड्डी विश्वकप की मेजबानी बिहार करेगा।
- 11वां प्रो कबड्डी लीग हरियाणा स्टीलर्स ने जीता है।
- 23 मार्च 2025 को महिला कबड्डी विश्व कप 2025 का खिताब भारत ने जीता है।
- कबड्डी विश्व कप 2025 इंग्लैंड में आयोजित हुआ।
- एशियाई महिला कबड्डी चैंपियनशिप का खिताब भारत ने जीता।
- 6 फरवरी, 2025 को 38वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुष कबड्डी टीम का खिताब उत्तर प्रदेश ने जीता।
- उत्तर प्रदेश ने 6 फरवरी, 2025 को 38वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुष कबड्डी खिताब जीता।
- विश्व सुपर कबड्डी लीग का उद्घाटन संस्करण दुबई में होगा।
- पहली वैश्विक महिला कबड्डी लीग हरियाणा में आयोजित होगी।

बैडमिंटन

- **पीवी सिंधु** और **लक्ष्य सेन** ने **2024 सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता** में क्रमशः **महिला और पुरुष वर्ग** का खिताब अपने नाम किया।
- **पैरा शटलर प्रमोद भगत** को **बैडमिंटन विश्व महासंघ** ने **निलंबित** किया।
- 'आर्कटिक ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता' फिनलैंड में शुरू हुई है।
- बेंडिगो इंटरनेशनल चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट 2024 में महिला एकल खिताब तान्या हेमंत ने जीता है।
- 28 अक्टूबर, 2024 को जापान पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में सुकांत कदम ने स्वर्ण पदक जीता है।
- 2 दिसम्बर, 2024 को सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष सिंगल्स का खिताब लक्ष्य सेन ने जीता है।
- मलेशिया के ली जी जिया ने ऑस्ट्रेलिया ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप जीती।
- 21 जनवरी, 2025 को एन सेयंग ने इंडिया ओपन सुपर बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 का महिला एकल खिताब जीता।

महत्वपूर्ण पुरस्कार

भारत रत्न 2024

भारत सरकार ने भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' पाँच प्रतिष्ठित व्यक्तियों को प्रदान किया है।

1. **कर्पूरी ठाकुर,**
2. **लाल कृष्ण आडवाणी,**
3. **एम.एस स्वामीनाथन,**
4. **पी.वी. नरसिम्हा राव**
5. **चौधरी चरण सिंह**

इसके साथ ही अब तक भारत रत्न पाने वालों कुल संख्या 53 हो गई है।

भारत रत्न

- भारत रत्न पुरस्कार देने की शुरूआत भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद द्वारा 2 जनवरी, 1954 में हुई थी।
- 1955 से यह पुरस्कार मरणोपरांत भी दिया जाता है।
- यह सम्मान कला, साहित्य, विज्ञान, सार्वजनिक सेवा एवं खेल के क्षेत्र में अभूतपूर्व राष्ट्रीय सेवा के लिए दिया जाता है।
- भारत रत्न देने की सिफारिश प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।
- सम्मान प्राप्तकर्ता को राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षित सनद और पदक दिया जाता है, इसमें कोई धनराशि शामिल नही होती।
- भारत रत्न पुरस्कार का आकार पीपल के पत्ते की तरह होता है जिसके एक और सूर्य का प्रतिबिम्ब उकेरा हुआ होता है जिसके नीचे देवनागरी लिपि में "भारत रत्न" लिखा होता है वाही दूसरी ओर राष्ट्रीय प्रतीक और उसके नीचे "सत्य मेव जयते" उकेरा होता है।
- यह पूरा पदक प्लैटिनम धातु का बना होता है जिस पर "भारत रत्न" और "सत्य मेव जयते" कांस्य धातु से लिखा होता है। भारत रत्न पुरस्कार सफेद रंग के फीते में पहनाया जाता है।
- भारत रत्न का पदक कलकत्ता की अलीपुर मिंट में बनाया जाता है।
- संविधान के अनुच्छेद 18(1) के अनुसार सम्मान प्राप्तकर्ता अपने नाम के साथ उपाधि के रूप में "भारत रत्न" का प्रयोग नही कर सकते हैं।

- सर्वप्रथम यह सम्मान 1954 में सर्वपल्ली राधाकृष्णन, सी. वी. रमन और सी. राजगोपालाचारी को दिया गया।
- यह सम्मान जो भारत के नागरिक नहीं हैं को भी दिया जा सकता है। भारत रत्न सम्मान पाने वाले विदेशी नागरिक- खान अब्दुल गफ्फार खान और नेल्सन मंडेला हैं।
- एक वर्ष में 3 से ज्यादा व्यक्तियों को यह सम्मान प्रदान नहीं किया जाता, हालाँकि वर्ष 1999 में 4 और वर्ष 2024 में 5 हस्तियों को यह सम्मान दिया गया है।
- खेल जगत में भारत रत्न पाने वाले पहले व्यक्ति सचिन तेंदुलकर है जो कि यह सम्मान पाने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं।
- भारत रत्न पाने वाले पहले वैज्ञानिक सी. वी. रमन थे।

2024 में भारत रत्न प्राप्तकर्ता

कर्पूरी ठाकुर

- जन्म - 24 जनवरी, 1924 , बिहार के समस्तीपुर जिले के पितौंझिया (अब कर्पूरी ग्राम) गाँव
- पिता - गोकुल ठाकुर
- माता - रामदुलारी देवी
- उनका निधन 17 फरवरी, 1988 को हुआ था।

प्रमुख योगदान

- **जननायक** कर्पूरी ठाकुर बिहार के मुख्यमंत्री (1970-71 और 1977-79 तक)
- बिहार के उपमुख्यमंत्री (1967-68 तक)
- बिहार के पहले गैरकांग्रेसी मुख्यमंत्री
- उन्होंने 1952 में पहली बार सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के रूप में ताजपुर निर्वाचन क्षेत्र से बिहार विधान सभा चुनाव जीता था।
- 1977 में बिहार में मुंगेरी लाल आयोग की सिफारिशों को लागू किया था।जिस कारण पिछड़ों को नौकरियों में आरक्षण मिला।उन्होंने भारत में पहली बार अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) को आरक्षण दिया।
- वर्ष 1978 में उन्होंने एक अभूतपूर्व आरक्षण मॉडल प्रस्तुत किया, जिसमें OBC, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (EBC), महिलाओं और उच्च जातियों के बीच आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिये विशिष्ट कोटे के साथ 26% आरक्षण आवंटित किया गया था।
- बिहार में उर्दू को दूसरी राजकीय भाषा का दर्जा
- ये भारत रत्न पाने वाले 49 वें, मरणोपरांत भारत रत्न पाने वाले 15वें एवं बिहार से भारत रत्न पाने वाले चौथे व्यक्ति है।

लालकृष्ण आडवाणी

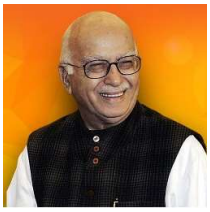

- भारत रत्न प्राप्त करने वाले 50वें व्यक्ति
- जन्म 8 नवम्बर, 1927 को कराची (अब पाकिस्तान) में हुआ था।
- वर्ष 1942 में वे आरएसएस से जुडे
- 1980 में स्थापित भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।
- इनकी आत्मकथा किताब का नाम माई कंट्री, माई लाइफ है।
- उन्होंने राम मंदिर के समर्थन के लिए 25 सितम्बर, 1990 को सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा शुरू की। इसी यात्रा के दौरान 22 अक्टूबर, 1990 को समस्तीपुर में गिरफ्तार किये गये।
- अप्रैल, 1970 में 'जनसंघ' सीट से राज्यसभा के लिए चुने गये।

27.	विश्व कानून कांग्रेस सम्मान	भुवन रिभु (पहले भारतीय वकील)
28.	गिलर्मो कैनो प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार 2025 (विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यूनेस्को द्वारा)	ला प्रेस (निकारागुआ का अखबार)
29.	कृषि नवाचार के लिए वर्ष 2025 का **विश्व खाद्य पुरस्कार**	मारियांगेला हंगरिया (ब्राजील)
30.	मानवतावादी पुरस्कार 2025	सोनू सूद (कोविड-19 के दौरान परोपकारी कार्यों के लिए)
31.	फ्रांसीसी सम्मान 2025	पायल कपाड़िया
32.	लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार 2025	कुमार मंगलम बिड़ला
33.	गुरूदेव कालीचरण ब्रह्मा पुरस्कार 2025	डॉ. अच्युत सामंत
34.	फ्रेड डारिंगटन सैंड मास्टर पुरस्कार	सुदर्शन पटनायक
35.	उगादी पुरस्कार 2025	माया स्वामी
36.	वर्चील दलित साहित्य पुरस्कार 2025	P. शिवकामी
37.	SKOCH अवार्ड (पुलिस एवं सुरक्षा श्रेणी)	उत्तर प्रदेश पुलिस
38.	राष्ट्रीय समुद्री वरूण पुरस्कार 2025	राजेश उन्नी
39.	राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 2025	आकर्ष श्रॉफ (भारत में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए)
40.	रामनाथ गोयनका पत्रकारिता पुरस्कार 2025	मृदुलिका झा
41.	डेनमार्क के नाइट क्रॉस सम्मान	विजय शंकर
42.	गोल्ड मर्करी पुरस्कार 2025 (शांति और स्थिरता के लिए)	दलाई लामा
43.	अज्ञेय स्मृति सम्मान 2025	उदय प्रकाश
44.	डिजिटल परिवर्तन पुरस्कार 2025	भारतीय रिजर्व बैंक

➢ **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) को लंदन स्थित सेंट्रल बैंकिंग द्वारा डिजिटल परिवर्तन पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार RBI की इनहाउस डेवलपर टीम द्वारा विकसित दो प्रमुख डिजिटल पहलों -प्रवाह और सारथी की सफलता को मान्यता देता है।**

45.	AM ट्यूरिंग अवार्ड 2024	एवी विग्डरसन
46.	**संयुक्त राष्ट्र वैश्विक उत्कृष्टता पुरस्कार**	**डॉ. बसंत गोयल**
47.	**'अंडरवाटर फोटोग्राफर ऑफ द ईयर 2024'**	एलेक्स डॉसन
48.	TIME वुमन ऑफ द ईयर	पूर्णिमा बर्मन (असम)
49.	TIME मैग्जीन का 'पर्सन ऑफ द ईयर' 2024	लीना नायर
50.	हार्वर्ड द्वारा 'साउथ एशियन पर्सन ऑफ द ईयर' 2024 नामित	अवंतिका बंदनपु
51.	ब्रिटेन से मानद नाइटहुड की उपाधि	एन. चंद्रशेखरन
52.	SKOCH अवार्ड 2025	नागालैंड (नागालैंड वन प्रबंधन परियोजना)
53.	महाराजा हरिसिंह पुरस्कार	उपराज्यपाल मनोज सिन्हा (J&K)
54.	अमेरिकी प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम	जॉर्ज सोरोस
55.	गेट्स-कैम्ब्रिज इम्पैक्ट पुरस्कार 2025	प्रोफेसर उर्वशी सिंहा
56.	गंगाधर राष्ट्रीय कविता पुरस्कार 2023	प्रतिभा सत्पथी
57.	सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2025	अपर्णा सेन
58.	सत्यजीत रे लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2024	फिलिप नॉयस (निर्माता)
59.	32वें एजुधाचन अवार्ड 2024	एन एस माधवन
60.	राष्ट्रीय तानसेन सम्मान 2023	पं. स्वपन चौधरी
61.	**34वां जीडी बिड़ला पुरस्कार** (जी.डी. बिडला पुरस्कार जीतने वाली प्रथम महिला वैज्ञानिक - अदिति सेन) 33वां जीडी बिड़ला पुरस्कार	सुबी जैकब जॉर्ज
62.	चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड 2024	माधव गाडगिल
63.	अंतर्राष्ट्रीय बाल शांति पुरस्कार 2024 (अगला वितरण पुरस्कार समारोह 10 दिसंबर 2025 को नॉर्वे के ओस्लो में होगा)	नीला इब्राहीम
64.	ब्रिटेन का प्रतिष्ठित टर्नर पुरस्कार 2024	जसलीन कौर
65.	TIME पर्सन ऑफ ईयर 2024	डोनाल्ड ट्रंप
66.	राज्य ऊर्जा संरक्षण 'गोल्ड' पुरस्कार 2024	राष्ट्रीय इस्पात निगम लि
67.	श्री चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती पुरस्कार	प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
68.	जमशेदजी टाटा पुरस्कार	किरण मजूमदार-शॉ
69.	वैश्विक सुरक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार	अयोध्या राम मंदिर
70.	जेसी डेनियल पुरस्कार 2023	शाजी एन करूण
71.	द बेस्ट फीफा मेंस प्लेयर 2024	विनीसियस जूनियर
72.	द बेस्ट फीफा वुमेन्स प्लेयर 2024	ऐताना बोनमाती
73.	विश्व शांति पुरस्कार (अमेरिका में)	प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
74.	मिस चार्म इंडिया 2024	शिवांगी देसाई
75.	रोहिणी नैयर पुरस्कार 2024 (3^{RD})	अनिल प्रधान
76.	फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 2024	द्रौपदी मुर्मू
77.	सखारोव पुरस्कार 2024	मारिया कोरिना मचाडो एवं एडमंडो गाँजलेज उरुतिया
78.	राष्ट्रीय किशोर कुमार पुरस्कार 2023	राजकुमार हिरानी
79.	25वां लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पुरस्कार 2024	राजश्री बिड़ला

विविध

प्रमुख दिवस

महीना	तिथि	दिवस का नाम
जनवरी	4 जनवरी	विश्व ब्रेल दिवस
	9 जनवरी	प्रवासी भारतीय दिवस
	10 जनवरी	विश्व हिन्दी दिवस
	12 जनवरी	राष्ट्रीय युवा दिवस
	15 जनवरी	थल सेना दिवस / भारतीय सेना दिवस
	23 जनवरी	पराक्रम दिवस (नेताजी सुभाष चंद्रबोस की जयंती)
	24 जनवरी	राष्ट्रीय बालिका दिवस
	24 जनवरी	अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
	25 जनवरी	राष्ट्रीय मतदाता दिवस
	25 जनवरी	राष्ट्रीय पर्यटन दिवस
	26 जनवरी	गणतंत्र दिवस
	30 जनवरी	शहीद दिवस
	30 जनवरी	विश्व कुष्ठ दिवस
फरवरी	2 फरवरी	विश्व आद्रभूमि दिवस (वेटलैंड डे)
	4 फरवरी	विश्व कैंसर दिवस
	11 फरवरी	समर्पण दिवस (पं। दीनदयाल)
	15 फरवरी	शहीद दिवस (बिहार सरकार)
	21 फरवरी	विश्व मातृभाषा दिवस
	28 फरवरी	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
मार्च	3 मार्च	विश्व वन्यजीव दिवस
	8 मार्च	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
	15 मार्च	विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस
	17 मार्च	प्रेरणा दिवस (पुनीत राजकुमार जयंती)
	20 मार्च	विश्व गौरैया दिवस
	21 मार्च	विश्व वानिकी दिवस (विश्व वन दिवस), विश्व पौधारोपण दिवस, विश्व लकड़ी दिवस
	22 मार्च	विश्व जल दिवस, बिहार दिवस, विश्व जल एवं स्वच्छता दिवस
	22 मार्च	बिहार दिवस
	23 मार्च	विश्व मौसम विज्ञान दिवस
	24 मार्च	विश्व क्षयरोग (तपेदिक) दिवस
अप्रैल	7 अप्रैल	विश्व स्वास्थ्य दिवस
	14 अप्रैल	अंबेडकर जयंती / विश्व समानता दिवस
	18 अप्रैल	विश्व विरासत दिवस
	22 अप्रैल	पृथ्वी दिवस
	25 अप्रैल	विश्व मलेरिया दिवस
	26 अप्रैल	विश्व बौद्धिक संपदा दिवस
मई	1 मई	मजदूर दिवस (अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस)
	3 मई	अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस
	7 मई	विश्व एथलेटिक्स दिवस
	8 मई	विश्व रेडक्रास दिवस
	15 मई	अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस
	22 मई	अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस
	25 मई	विश्व फुटबॉल दिवस (संयुक्त राष्ट्र)
	28 मई	स्वतंत्र वीर गौरव दिवस (महाराष्ट्र)
	28 मई	मासिक धर्म स्वच्छता दिवस
	29 मई	अंतर्राष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस
	31 मई	विश्व तंबाकू निषेध दिवस
जून	3 जून	विश्व साइकिल दिवस 2025
	4 जून	आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस
	5 जून	विश्व पर्यावरण दिवस
	7 जून	विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस
	10 जून	सभ्यताओं के बीच संवाद के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस
	12 जून	विश्व बालश्रम निषेध दिवस
	14 जून	विश्व रक्तदाता दिवस
	20 जून	विश्व शरणार्थी दिवस
	21 जून	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
	23 जून	अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस
	25 जून	संविधान हत्या दिवस
	29 जून	राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस
जुलाई	1 जुलाई	चिकित्सक दिवस / जीएसटी दिवस
	7 जुलाई	विश्व जैव उत्पाद दिवस
	11 जुलाई	विश्व जनसंख्या दिवस
	12 जुलाई	अंतर्राष्ट्रीय मलाला दिवस
	17 जुलाई	विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस
	18 जुलाई	नेल्सन मंडेला दिवस
	26 जुलाई	कारगिल विजय दिवस
	26 जुलाई	अंतर्राष्ट्रीय मैंग्रोव दिवस
	28 जुलाई	विश्व हेपेटाइटिस दिवस
	29 जुलाई	अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस
	30 जुलाई	मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस
अगस्त	1 अगस्त	राष्ट्रीय पर्वतारोहण दिवस
	6 अगस्त	हिरोशिमा दिवस
	7 अगस्त	भाला फेंक दिवस (नीरज चोपड़ा)
	9 अगस्त	विश्व आदिवासी दिवस या विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस
	12 अगस्त	अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस
	14 अगस्त	विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस
	15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस (भारत)
	20 अगस्त	सद्भावना दिवस (राजीव गांधी)
	23 अगस्त	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस
	29 अगस्त	राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचंद)
सितंबर	2 सितंबर	अहिंसा दिवस / गांधी जयंती
	5 सितंबर	राष्ट्रीय शिक्षक दिवस

	8 सितंबर	अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस
	11 सितंबर	महाकवि दिवस (सुब्रमण्यम भारती)
	14 सितंबर	हिन्दी दिवस
	16 सितम्बर	विश्व ओजोन दिवस
	17 सितंबर	सामाजिक न्याय दिवस (ईची रामास्वामी)
	18 सितंबर	विश्व बांस दिवस
	27 सितंबर	विश्व पर्यटन दिवस
अक्टूबर	5 अक्टूबर	राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस
	8 अक्टूबर	भारतीय वायुसेना दिवस
	11 अक्टूबर	अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस
	15 अक्टूबर	विश्व छात्र दिवस (एपीजे अब्दुल कलाम)
	20 अक्टूबर	विश्व सांख्यिकी दिवस
	24 अक्टूबर	संयुक्त राष्ट्र दिवस
	31 अक्टूबर	राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार पटेल)
	31 अक्टूबर	इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि
नवंबर	1 नवंबर	विश्व शाकाहारी दिवस
	3 नवंबर	अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिजर्व दिवस
	10 नवंबर	विश्व विज्ञान दिवस
	11 नवंबर	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
	12 नवंबर	राष्ट्रीय पक्षी दिवस
	14 नवंबर	बाल दिवस, विश्व मधुमेह दिवस
	15 नवंबर	जनजातीय गौरव दिवस (बिरसा मुंडा)
	24 नवंबर	शहादत दिवस (गुरू तेग बहादुर)
	25 नवंबर	नो नॉन-वेज डे (उत्तर प्रदेश)
	26 नवंबर	राष्ट्रीय विधि दिवस (संविधान दिवस)
दिसंबर	1 दिसंबर	विश्व एड्स दिवस
	2 दिसंबर	विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस
	4 दिसंबर	भारतीय नौसेना दिवस
	5 दिसंबर	विश्व मृदा दिवस
	6 दिसंबर	मैत्री दिवस (भारत-बांग्लादेश)
	7 दिसंबर	झंडा दिवस
	10 दिसंबर	अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस
	14 दिसंबर	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण / विश्व ऊर्जा दिवस
	22 दिसंबर	राष्ट्रीय गणित दिवस (श्री रामानुजन)
	23 दिसंबर	किसान दिवस (चौधरी चरण सिंह)
	24 दिसंबर	राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस
	25 दिसंबर	सुशासन दिवस / क्रिसमस डे
	26 दिसंबर	वीर बाल दिवस

प्रमुख दिवसों के बारे में

अगस्त

हिरोशिमा दिवस (6 अगस्त)

- 6 अगस्त, 1945 को जापान के हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया गया था। इस दिन को हिरोशिमा दिवस के नाम से जाना जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुए इस हमले की याद दिलाना है।
- इस बम को 'लिटिल बॉय' नाम दिया गया था।

राष्ट्रीय भाला दिवस (7 अगस्त)

- 2020 टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक में नीरज चोपड़ा की स्वर्ण पदक जीत का सम्मान करता है।
- एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने इस खेल को बढ़ावा देने और चोपड़ा की उपलब्धि को मान्यता देने के लिए इस दिन की स्थापना की।

विश्व आदिवासी दिवस या विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (9 अगस्त)

- दिसंबर 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस को मान्यता दिये जाने के बाद, इसे प्रतिवर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है।
- यह दिवस वर्ष 1982 में जिनेवा में स्वदेशी जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की पहली बैठक के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- 2025 का विषय: "स्वदेशी लोग और AI: अधिकारों की रक्षा, भविष्य को आकार देना।"
- विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर, मध्य प्रदेश डाक विभाग ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (IGRMS) के सहयोग से तीन दिवसीय डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन किया है।

विश्व स्तर पर स्वदेशी लोगों से संबंधित मुख्य तथ्य

- अनुमान के अनुसार, विश्व के लगभग 90 देशों में 476 मिलियन (47.6 करोड़) मूल निवासी रहते हैं।
- ये लोग विश्व की कुल जनसंख्या का 6% से भी कम हैं, लेकिन वैश्विक स्तर पर सबसे गरीब लोगों में इनका हिस्सा कम-से-कम 15% है।
- वे विश्व की अनुमानित 7,000 भाषाओं में से अधिकांश का प्रयोग करते हैं और लगभग 5,000 विभिन्न संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त)

- संयुक्त राष्ट्र ने साल 1999 में इस दिन को मनाने का फ़ैसला किया था।
- इस दिन को मनाने का मकसद, युवाओं को वैश्विक समाज का हिस्सा बनाना और उन्हें सशक्त बनाना, युवाओं की चुनौतियों को पहचानकर उनका समाधान करना भी है।
- भारत में, राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन स्वामी विवेकानंद की जयंती के रूप में मनाया जाता है
- 'अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2025' का थीम था – "सतत विकास लक्ष्यों और उससे आगे के लिए स्थानीय युवा कार्यवाहियाँ"।
- विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस (14 अगस्त)
- 1947 में भारत के विभाजन के दौरान पीड़ित लाखों लोगों की यादों को सम्मानित किया जा सके।
- यह उपमहाद्वीप के दो अलग-अलग राष्ट्रों-भारत और पाकिस्तान में विभाजन के कारण हुए विस्थापन, नुकसान और दर्द को याद करता है।

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त)

- उद्देश्य: भारत को आज़ादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को याद करना और उनके बलिदान को सम्मानित करना है।
- स्वतंत्रता दिवस के दिन भारत के आखिरी वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को भी याद किया जाता है।

सद्भावना दिवस (20 अगस्त)

- सद्भावना दिवस हर साल 20 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है।
- इस दिन का उद्देश्य समाज में शांति, राष्ट्रीय एकता और सभी धर्मों व संस्कृतियों के लोगों के बीच भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है।

अन्य प्रमुख दिवस और उनकी थीम / बिषय			
तिथि	वर्ष	दिवस	थीम / महत्वपूर्ण तथ्य
8 सितम्बर	2025	अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना
29 अगस्त	2025	राष्ट्रीय खेल दिवस	एक घंटा, खेल के मैदान में
23 अगस्त	2025	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस	आर्यभट्ट से गगनयान: प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक
9 अगस्त	2025	विश्व आदिवासी दिवस या विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस	स्वदेशी लोग और AI: अधिकारों की रक्षा, भविष्य को आकार देना।
7 अगस्त	2025	राष्ट्रीय हथकरघा दिवस	हथकरघा महिलाओं का सशक्तिकरण, राष्ट्र का सशक्तिकरण
12 अगस्त	2025	विश्व हाथी दिवस	हाथियों की मदद के लिए विश्व को एक साथ लाना
12 अगस्त	2025	अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस	सतत विकास लक्ष्यों और उससे आगे के लिए स्थानीय युवा कार्यवाहियाँ
15 जुलाई	2025	विश्व युवा कौशल दिवस	'एआई और डिजिटल कौशल'
30 जुलाई	2025	मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस	मानव तस्करी संगठित अपराध है - शोषण समाप्त करें।
21 जून	2025	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग
20 जून	2025	विश्व शरणार्थी दिवस	शरणार्थीयों के साथ एकजुटता
14 जून	2025	विश्व रक्तदाता दिवस	रक्त दें, आशा दें
13 जून	2025	अंतर्राष्ट्रीय ऐल्बिनिजम जागरूकता दिवस	हमारे अधिकारों की मांग: हमारी त्वचा की रक्षा करें, हमारे जीवन की रक्षा करें
➢ नोट- वैश्विक सुलभता जागरूकता दिवस (GAAD) के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (DEPwD) ने नई दिल्ली में समावेशी भारत शिखर सम्मेलन का आयोजन किया।			
12 जून	2025	विश्व किडनी कैंसर दिवस	किडनी स्वास्थ्य को समझना
12 जून	2025	विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस	प्रगति स्पष्ट है, लेकिन अभी और काम करना है: आइए प्रयासों को गति दें
11 जून	2025	अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस	खेल चुनें - हर दिन
7 जून	2025	विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस	खाद्य सुरक्षाः विज्ञान का कार्यान्वयन
5 जून	2025	विश्व पर्यावरण दिवस	प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं (मेजबान देश: दक्षिण कोरिया)
3 जून	2025	विश्व साइकिल दिवस	साइकिलिंग के माध्यम से स्वास्थ्य, समानता और स्थिरता को बढ़ावा देना
31 मई	2025	**विश्व तंबाकू निषेध दिवस**	अपील को उजागर करना: तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना "
25 मई	2025	विश्व थाइरॉइड दिवस	थायरॉइड रोग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
22 मई	2025	अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस	प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास
18 मई	2025	अंतर्राष्ट्रीय समुद्री महिला दिवस	समुद्री महिलाएँ: परिवर्तन और स्थिरता का नेतृत्व करना
18 मई	2025	अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस	'तेजी से बदलते समुदायों में संग्रहालयों का भविष्य'
17 मई	2025	विश्व उच्च रक्तचाप दिवस	'अपने रक्तचाप को सही तरीके से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबी उम्र जिएं'
12 मई	2025	अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस	'Nurses: A Voice to Lead - Delivering Quality, Securing Equity'
12 मई	2025	अंतर्राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य दिवस	'The importance of plant health in One Health'
11 मई	2025	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	नवाचार के माध्यम से एक सतत कल को सशक्त बनाना
10 मई	2025	विश्व प्रवासी पक्षी दिवस	'पक्षी-अनुकूल शहर और समुदाय बनाना'
8 मई	2025	विश्व रेड क्रॉस दिवस	मानवता को जीवित रखना
8 मई	2025	विश्व थैलेसीमिया दिवस	'थैलेसीमिया के लिए एक साथः समुदायों को एकजुट करना, रोगियों को प्राथमिकता देना'
6 मई	2025	विश्व अस्थमा दिवस	श्वसन उपचार को सभी के लिए सुलभ बनाना
26 अप्रैल	2025	विश्व बौद्धिक संपदा दिवस	IP and Music: Feel the Beat of IP
25 अप्रैल	2025	विश्व मलेरिया दिवस	मलेरिया का अंत हमारे साथ - पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनः प्रज्ज्वलन
22 अप्रैल	2025	पृथ्वी दिवस	हमारी शक्ति, हमारा ग्रह
19 अप्रैल	2025	विश्व लिवर दिवस	भोजन ही दवा है
18 अप्रैल	2025	विश्व धरोहर दिवस	आपदाओं और संघर्षों से खतरे में विरासत
14 अप्रैल	2025	विश्व चगास रोग दिवस'	Prevent, Control, Care: Everyone's Role in Chagas Disease
10 अप्रैल	2025	विश्व होम्योपैथी दिवस	अध्ययन, अनुसंधान
7 अप्रैल	2025	विश्व स्वस्थ्य दिवस	स्वस्थ शुरुआत, आशावान भविष्य

अन्य संस्थाओं के स्थापना दिवस	
राष्ट्रीय	
तिथि	**स्थापना दिवस**
16 फरवरी, 2025	दिल्ली पुलिस ने अपना 78वां स्थापना दिवस
27 जुलाई	CRPF का 87वां स्थापना दिवस
1 फरवरी, 2025	भारतीय तट रक्षक बल ने अपना 49 वाँ स्थापना दिवस
7 मई, 2025	सीमा सड़क संगठन (BRO) ने अपना 66वां स्थापना दिवस
4 मार्च, 2025	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने अपना 175वां स्थापना दिवस
7 जनवरी, 2025	भारतीय मानक ब्यूरो ने अपना 78वां स्थापना दिवस
16 जुलाई, 2025	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) का 97 वां स्थापना दिवस
14 मई	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स का 250वां स्थापना दिवस
1 जनवरी 2025	DRDO का 67वां स्थापना दिवस
1 दिसम्बर, 2024	सीमा सुरक्षा बल ने अपना 59वां स्थापना दिवस
14 दिसम्बर, 2024	'भारतीय डाक, दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा' ने अपना 50वां स्थापना दिवस
अंतर्राष्ट्रीय	
11 दिसम्बर	यूनिसेफ स्थापना दिवस
4 अप्रैल, 2025	NATO ने अपना 76वाँ स्थापना दिवस

माह / पखवाड़ा / सप्ताह		
माह / पखवाड़ा / सप्ताह	**समय**	**थीम**
विश्व स्तनपान सप्ताह	1 से 7 अगस्त 2025	'स्तनपान को प्राथमिकता दें: स्थायी सहायता प्रणालियाँ बनाएँ
ऑपरेशन नया सवेरा	31 जुलाई से 14 अगस्त 2025	
पोषण पखवाडा 2025 (7वां संस्करण)	8 - 22 अप्रैल 2025	यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित एक अभियान है, जो 15 दिनों तक चलता है और पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।
राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह	4-10 मार्च 2025	विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण
विश्व अन्तरधार्मिक सद्भाव सप्ताह	1-7 फरवरी 2025	शांति के लिए एकजुट होना
हिन्दी पखवाड़ा	1 - 15 सितम्बर	प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को 'हिन्दी दिवस' मनाया जाता है और 1 सितम्बर से 15 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया जाता है।
7वाँ राष्ट्रीय पोषण माह	1 - 30 सितम्बर	
विश्व अंतरिक्ष सप्ताह	4 -10 अक्टूबर, 2024	अंतरिक्ष और जलवायु परिवर्तन
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह	1-7 सितम्बर, 2024	सभी के लिए पौष्टिक आहार
भारत जल सप्ताह	17-20 सितम्बर 2024	समावेशी जल विकास और प्रबंधन के लिए साझेदारी
विश्व जल सप्ताह	25-29 अगस्त, 2024	सीमाओं को पाटना : शांतिपूर्ण और सतत भविष्य के लिए जल
विश्व स्तनपान सप्ताह	1-7 अगस्त, 2024	अंतर को कम करना सभी के लिए स्तनपान समर्थन
भारत ऊर्जा सप्ताह	69 फरवरी, 2024	**विकास, सहयोग, परिवर्तन** (आयोजन स्थल – गोवा)
राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह	11-17 जनवरी, 2024	सड़क सुरक्षा नायक बनें

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित वर्ष	
वर्ष	**UN द्वारा घोषित वर्ष**
2029	क्षुद्रग्रह जागरूकता और ग्रह रक्षा का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2027	सतत एवं लचीले पर्यटन का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2026	चरागाह भूमि और चरवाहों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2026	**अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष**
2026	सतत विकास के लिए स्वयंसेवकों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2025	क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2025	ग्लेशियरों का संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2025	शांति और सहकारिता का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2024	कैमलिड्स का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2023	अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष
2023	शांति की गारंटी के रूप में संवाद का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2022	अंतरराष्ट्रीय शिल्प मत्स्य पालन और जलकृषि वर्ष
2022	कांच का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2022	अंतर्राष्ट्रीय सतत पर्वतीय विकास वर्ष
2022	सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	शांति और विश्वास का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	सतत विकास के लिए रचनात्मक अर्थव्यवस्था का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	सहकारी समितियों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	फलों और सब्जियों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	बाल श्रम उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2020	अंतर्राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य वर्ष
2020	नर्स और दाई का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2019	देशीय भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2019	रासायनिक तत्वों की आवर्त सारणी का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2017	विकास के लिए सतत पर्यटन का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2016	अंतर्राष्ट्रीय दाल वर्ष

पुस्तकें एवं लेखक

पुस्तक	लेखक
'जनता की कहानी: मेरी आत्मकथा'	बंडारू दत्तात्रेय (9 मई, 2025 को तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हरियाणा के राज्यपाल की आत्मकथा 'जनता की कहानी: मेरी आत्मकथा' का विमोचन किया है।)
द साइंटिस्ट इंटरप्रेन्योर	कल्पना शंकर
द बुक ऑफ नाड	मनोज वी. जैन
'द वन क्रिकेट, माई लाइफ एंड मोर (आत्मकथा)	शिखर धवन
भारतः उपमहाद्वीप पर 5000 वर्ष का इतिहास	ऑड्रे टुश्के
टू द सेवेंथ जेनरेशन : द जर्नी ऑफ क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर	Dr. V. I. मथन
मार्च ऑफ ग्लोरी	के अरूमुगम एवं एरोल डी-कुज
द न्यू आइकन : सावरकर एंड द फैक्ट्स (31 जनवरी 2024 को प्रकाशित)	अरूण शौरी
सौमित्रा चटर्जी: द लिगेसी ऑफ अपु एंड बियोंड	संघमित्रा चक्रवर्ती
द वर्ल्ड आफ्टर गाजा	पंकज मिश्रा
जम्मू-कश्मीर एंड लद्दाख थ्रू द एजेस	रघुवेन्द्र तन्वर
द अनयिलडिंग जज	A.N. ग्रोवर
खाकी में स्थितप्रज्ञ	अनिल रतुड़ी
मानसून	अभय K.
मेड इन इंडिया : 75 इयर्स ऑफ बिजनेस एंड एंटरप्राइज	अमिताभ कांत
माय बिलवेड लाइफ	अमिताव कुमार
पिचसाइड : माई लाइफ इन इंडियन क्रिकेट	अमृत माथुर
आजादी : स्वतंत्रता, फासीवाद, कल्पना	अरूंधती रॉय
ए फ्लाई ऑन द आरबीआई वॉल	अल्पना किलावाला
बिहार के गांधी नीतीश कुमार	अशोक चौधरी एवं शांभवी चौधरी
द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ	पूजा पुजारा
जनता की कहानी-मेरी आत्मकथा	बंडारू दत्तात्रेय
रामानुजन : जर्नी ऑफ ए ग्रेट मैथमेटिशियन	अरूण सिंघल देवेंद्र शर्मा
ऑरिजिनल सिन	जैक टैपर तथा एलेक्स थॉम्पसन
नैरेटिवस ऑफ द बेंच	एन. वी. रमना
रिवर्स स्विंग	अशोक टंडन
मास्टर रेजिडेंसियल रियल स्टेट	अश्विंदर आर सिंह
स्कल्प्टेड स्टोन : मिस्ट्रीज ऑफ मामल्लापुरम	अश्विन प्रभु
मास्टर रेसिडेंसियल रियल स्टेट	अश्विनदर सिंह
गट्स एमिडस्ट ब्लडबैथ	आदित्य भूषण
जस्ट ए मर्सिनरी	RBI के पूर्व गवर्नर D. सुब्बाराव
एड फाइंडस ए होम	आलिया भट्ट
कारगिल : एक यात्री की जुबानी	ऋषि राज
भारत के वित्त मंत्री	A. K. भट्टाचार्य
गांधी ए लाइफ इन श्री कैंपेन्स	M. J. अकबर
माउंटेन मैमल्स ऑफ द वर्ल्ड	M. K. K. रंजीत सिंह
द डे आई बिकम ए रनर	S. चट्टोपाध्याय
फ्रॉर्म ए कार शेड टू द कॉर्नर	S. रमन
लियो : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ चेन्नई सुपर किंग्स	P.S. रमन
इंडियाज फॉरेन पॉलिसी	कल्लोल भट्टाचार्जी
इंडिया @ 100	K. V. सुब्रमण्यम
बिल्डिंग पार्टनरशिप	कैप्टन हिमाद्री दास
कोल्ड ब्लडेड लव	गिरीश दत्त शुक्ला
द कॉन्सपिरेसी	गोटबाया राजपक्षे
एन अनकॉमन लव: द अर्ली लाइफ ऑफ सुधा एंड नारायण मूर्ति	चित्रा बनर्जी
वेस्टर्न लेन	चेतना मारू
भारत से ग्राफिक डिजाइन के लिए प्रेरणाएं	जया जेटली
रिंगसाइड	जिय दर्डा
वेलकम टू पैराडाइज	टूविंकल खन्न
पावर विदिन : द लीडरशिप लिगेसी ऑफ नरेन्द्र मोदी	डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम
सिंधिया और 1857	डॉ. राकेश पाठक
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरिज नेवर डाइज	डॉ. Y. S. राजन
दो पलकों की छाँव में	डॉ. हेमा जोशी
द बुक ऑफ कंपैशन	दलाई लामा और कैलाश सत्यार्थी
कृष्णा द 7th सेंस	देबाशीष चटर्जी
हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड	नीरजा चौधरी
कॉल ऑफ द गिर	परिमल नाथवानी
महा स्वप्निकुडु	P. विक्रम
हेवेनली आइलैंड्स ऑफ गोवा	पीएस श्रीधरन पिल्लई
बेसिक स्ट्रक्चर एंड रिपब्लिक	पीएस श्रीधरन पिल्लई
हेरिटेज ट्रीज ऑफ गोवा	पीएस श्रीधरन पिल्लई
मनोज बाजपेयी : द डेफिनेटिव बायोग्राफी	पीयूष पांडे
नए भारत का सामवेद विमोचन	पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द
नाइन यार्ड सारीज	प्रशांति राम
सोर्स कोड: माई बिगिनिंग्स	बिल गेट्स
द पावर ऑफ वन थॉट	B. K. शिवानी

अंतर्राष्ट्रीय संस्थान/संगठन

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)

चर्चा में क्यों?

- **3 मई, 2025 को अंगोला** अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) **में शामिल होने वाला 123वां सदस्य देश बना।**
- 12 अप्रैल, 2025 को **मॉरीशस (Mauritius)** वह पहला अफ्रीकी देश बना, जिसने **International Solar Alliance (ISA)** के साथ **Country Partnership Framework (CPF)** पर हस्ताक्षर किए।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) की स्थापना भारत और फ्रांस द्वारा 30 नवम्बर, 2015 को पेरिस (COP-21) में की गई थी।
- इस पहल का मुख्य उद्देश्य सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना है।
- यह गठबंधन उन देशों को एक मंच पर लाता है जो कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच स्थित हैं। इन देशों को "सनशाइन देश" कहा जाता है।
- ISA का मुख्यालय भारत के हरियाणा राज्य के गुरुग्राम शहर में स्थित है

ISA के मुख्य उद्देश्य

- सौर ऊर्जा से जुड़ी चुनौतियों की पहचान करना और उनका समाधान करना ISA का प्रमुख उद्देश्य है।
- वर्ष 2030 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश जुटाना इस गठबंधन का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है।
- सौर ऊर्जा अनुसंधान, विकास, और वित्तपोषण को बढ़ावा देना ISA की प्रमुख गतिविधियों में शामिल है।
- सदस्य देशों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करना और तकनीकी सहयोग प्रदान करना इसका उद्देश्य है।
- यह गठबंधन सदस्य देशों के बीच नेटवर्किंग, सहयोग, और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है।
- **प्रमुख पहल - "Ease of Doing Solar RE-IP"**
- ISA द्वारा शुरू की गई प्रमुख पहल "ईज़ ऑफ़ डूइंग सोलर RE-IP" है।
- यह एक कार्य-उन्मुख, सदस्य-संचालित, और सहयोगी मंच है जो सदस्य देशों में ऊर्जा पहुंच, ऊर्जा सुरक्षा, और ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा देने हेतु सौर ऊर्जा तकनीकों की तैनाती पर केंद्रित है।

2030 तक ISA के लक्ष्य

- **ISA का लक्ष्य है:**
  - ✓ 1000 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश जुटाना,
  - ✓ 1000 मिलियन लोगों को ऊर्जा तक पहुंच प्रदान करना,
  - ✓ 1000 GW सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करना।

ब्रिक्स (BRICS)

चर्चा में क्यों ?

- 19 मई 2025 को ब्रिक्स देशों द्वारा स्थापित न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) के नए 9 वें सदस्य देश के रूप में अल्जीरिया को शामिल किया गया है।

ब्रिक्स (BRICS)

- BRICS एक समूह है जिसमें **दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाएँ शामिल हैं।**
- BRIC शब्द को 2001 **में गोल्डमैन सॅक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील द्वारा गढ़ा गया था।**
- प्रारंभिक सदस्य (2006) थे: ब्राज़ील, रूस, भारत और चीन। दक्षिण अफ्रीका के 2010 में शामिल होने के बाद यह BRICS बना।
- जनवरी 2024 में **4 नए देश BRICS में शामिल हुए - मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (UAE)।**
- ***हाल ही में इंडोनेशिया BRICS का 10वां सदस्य बन गया है। ब्राज़ील ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। इंडोनेशिया को वर्ष 2023 में जोहान्सबर्ग समिट में ही BRICS में शामिल होने की बात स्पष्ट हो गई थी।***
- वर्तमान में BRICS के सदस्य देश हैं: **ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया।**
- **सऊदी अरब को BRICS में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है, लेकिन वह अभी तक सदस्य नहीं बना है।**
- प्रथम अनौपचारिक BRIC बैठक वर्ष 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हुई थी।
- **प्रथम औपचारिक BRIC शिखर सम्मेलन 16 जून 2009 में रूस में आयोजित किया गया।**
- वर्ष 2025 का BRICS सम्मेलन ब्राज़ील की अध्यक्षता में जुलाई 2025 में रियो डी जनेरियो में आयोजित होगा। **इस बार BRICS सम्मेलन की थीम "ग्लोबल साउथ" है।** सम्मेलन में सदस्य देशों के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए पेमेंट गेटवे के विकास का लक्ष्य रखा गया है।
- **वर्ष 2024 में BRICS की अध्यक्षता रूस ने की थी।**
- वर्ष 2023 में BRICS का 15वां शिखर सम्मेलन 22-24 अगस्त को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित हुआ।
- कोविड काल में 2020, 2021 और 2022 के BRICS सम्मेलन वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित हुए थे।
- याद हो भारत ने वर्ष 2021 में BRICS शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की थी।

ब्रिक्स का महत्त्व

- **यह समूह दुनिया की लगभग 42% आबादी और वैश्विक GDP का लगभग 23% प्रतिनिधित्व करता है।**
- **वैश्विक व्यापार में इसका 17% हिस्सा है।**
- यह समूह वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और दुनिया के विकास में योगदान कर रहा है।

ब्रिक्स की चुनौतियाँ

- सदस्य देशों की विविधता और असमान हितों के कारण **समन्वय की कमी।**
- चीन का प्रभुत्व और व्यापार घाटे को लेकर अन्य देशों की चिंतायें।

भारत के अन्य देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास

पैसेज अभ्यास (PASSEX)

- भारतीय नौसेना और यूके रॉयल नेवी ने, 9 और 10 जून 2025 को **उत्तरी अरब सागर** में एक पैसेज अभ्यास (PASSEX) का आयोजन किया।
- PASSEX उन संयुक्त नौसैनिक अभ्यासों को कहा जाता है जो मित्र देशों की नौसेनाओं के बीच तब किये जाते हैं जब उनके अभियानों का मार्ग एक-दूसरे से मिलता है।
- इसका उद्देश्य समुद्र में पारस्परिक संचालन क्षमता, संचार और रणनीतिक सहयोग को मज़बूत करना होता है।

22वां खान क्वेस्ट 2025 (Khaan Quest 2025)

- खान क्वेस्ट 2025 एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास है।
- यह 14 से 28 जून, 2025 तक मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित किया गया।
- इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य शांति अभियानों के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारी को मजबूत करना और अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना था।
- अभ्यास का एक अन्य उद्देश्य विभिन्न देशों की सेनाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना था।
- इस अभ्यास में संयुक्त राज्य अमेरिका, मंगोलिया और अन्य देशों के सैन्य दलों ने भाग लिया।
- अभ्यास का फोकस बहुराष्ट्रीय वातावरण में शांति स्थापना अभियानों की सैन्य तत्परता, संयुक्त योजना और शारीरिक फिटनेस सुधारने पर था।
- भारतीय सेना ने सक्रिय रूप से भाग लिया और शारीरिक फिटनेस प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।
- भारतीय सेना का प्रदर्शन उनकी वैश्विक शांति स्थापना के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ऐकेमी (AIKEYME) 2025 – Africa India Key Maritime Engagement

- AIKEYME भारत और 10 अफ्रीकी देशों के बीच एक वार्षिक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है।
- इसका प्रथम संस्करण अप्रैल 2025 में दार-ए-सलाम, तंजानिया में आयोजित किया गया।
- इस अभ्यास का उद्देश्य साझा समुद्री चुनौतियों के लिए सहयोगात्मक समाधान विकसित करना, भारत और अफ्रीकी नौसेनाओं के बीच तालमेल और अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाना है।
- यह अभ्यास प्रधानमंत्री मोदी के "SAGAR" (Security and Growth for All in the Region – क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- अभ्यास का मुख्य फोकस समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाना, सूचना साझा करना और समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध गतिविधियों जैसी चुनौतियों का सामना करना है।
- इसमें भारत और तंजानिया के अलावा कोमोरोस, जिबूती, केन्या, मेडागास्कर, मॉरीशस, मोज़ाम्बिक, सेशेल्स और दक्षिण अफ्रीका शामिल हुए।
- यह अभ्यास भारत और अफ्रीकी देशों के बीच मजबूत साझेदारी और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने का प्रतीक है।
- AIKEYME हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और चीन के बढ़ते प्रभाव तथा हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका में समुद्री डकैती जैसी चुनौतियों के बीच रणनीतिक महत्व रखता है।

जा माता 2025 (India–Japan Coast Guard Exercise)

- जा माता 2025 भारत और जापान का एक संयुक्त तटरक्षक अभ्यास है।
- यह अभ्यास जुलाई 2025 में भारत के चेन्नई तट पर आयोजित किया गया।
- इसका आयोजन भारतीय तटरक्षक बल (ICG) और जापान कोस्ट गार्ड (JCG) ने मिलकर किया।
- जापानी भाषा में "जा माता" का अर्थ "बाद में मिलते हैं" होता है, जो दोनों तटरक्षक बलों के बीच निरंतर साझेदारी को दर्शाता है।
- अभ्यास का उद्देश्य भारत और जापान के बीच समुद्री साझेदारी को मजबूत करना और समुद्री सुरक्षा को बढ़ाना है।
- इसका लक्ष्य दोनों देशों की तटरक्षक एजेंसियों के बीच समन्वय, संचार और परिचालन क्षमताओं में सुधार करना है।
- इस अभ्यास में जापान तटरक्षक का जहाज जेसीजीएस इत्सुकुशिमा (JCGS Itsukushima) शामिल हुआ, जो अपने वैश्विक महासागर यात्रा प्रशिक्षण के तहत चेन्नई पहुँचा था।
- अभ्यास में विभिन्न परिचालन गतिविधियाँ शामिल थीं, जैसे बोर्डिंग ऑपरेशन, स्टेशन कीपिंग और अग्निशमन अभ्यास।
- इस दौरान दोनों देशों के अधिकारी और चालक दल के सदस्यों ने व्यावसायिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भाग लिया।
- यह अभ्यास भारत और जापान की समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का प्रतीक है।

DUSTLIK

- DUSTLIK, अभ्यास का 6th संस्करण, भारत और उज्बेकिस्तान के बीच आयोजित किया गया।
- भारत और उज्बेकिस्तान के बीच बारी-बारी से आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है।
- यह अभ्यास 16 से 28 अप्रैल, 2025 तक पुणे, भारत में आयोजित हुआ।
- अभ्यास दुस्तलिक का उज्बेक भाषा में अर्थ है- **दोस्ती**
- इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को मजबूत करना और रक्षा संबंधों को गहरा करना है।

अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2025

- अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2025, भारत और अमेरिका के बीच एक संयुक्त त्रि-सेना (थल, वायु और नौसेना) अभ्यास है, जो 1 से 13 अप्रैल 2025 तक भारत के पूर्वी तट पर विशाखापट्टनम और काकीनाडा के तटीय क्षेत्र पर आयोजित किया गया।
- यह अभ्यास मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभियानों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित है।

ब्रांड एंबेसडर : योजना / अभियान / संस्था

योजना / अभियान / संस्था	ब्रांड एंबेसडर
'विजन 2020 इंडिया' का सद्भावना राजदूत	कृष्णमाचारी श्रीकांत
कर्नाटक वन विभाग और वन्यजीव संरक्षण का राजदूत	अनिल कुंबले
संयुक्त राष्ट्र का 'जलवायु सलाहकार' का वैश्विक ब्रांड एंबेसडर	रैपर शुभ
सोबो मुंबई फाल्कन्स	कपिल देव
वर्ल्ड पैरा एथलेट	कंगना रानौत
दक्षिण कोरिया (पर्यटन)	हिना खान
सिप्ला (Cipla) हेल्थ	नीना गुप्ता
मैसूर सैंडल साबुन (कर्णाटक सरकार)	तमन्ना भाटिया
खोखो 2025	सलमान खान
दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल	सानिया मिर्जा एवं हरभजन सिंह
थाईलैंड पर्यटन	सोनू सूद
झारखंड विधानसभा चुनाव	महेन्द्र सिंह धोनी
मध्य प्रदेश पर्यटन	पंकज त्रिपाठी
भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र	रश्मिका मंदाना
जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय	मनु भाकर
SA20 लीग	दिनेश कार्तिक
प्ले स्पोर्टस	मैरी कॉम, सानिया मिर्जा, रणविजय सिन्हा
वेलनेस ब्रांड Hoop	पीवी सिंधु
Puma इंडिया	रियान पराग और नीतीश कुमार रेड्डी
बिसलेरी लिमोनाटा	आदित्य रॉय कपूर
MotoGP इंडिया	शि खर धवन
तंबाकू नियंत्रण के लिए	पीवी सिन्धु
मुथूट पप्पाचन ग्रुप	शाहरूख खान
यूनीसेफ भारत का राष्ट्रीय राजदूत	करीना कपूर खान
सिट्रोएन इंडिया	महेन्द्र सिंह धोनी
ICC T20 वर्ल्ड कप 2024 का राजदूत	युवराज सिंह
स्पेस इंडिया	संजना सांघी
लोकसभा चुनाव 2024 (चुनाव आयोग द्वारा)	आयुष्मान खुराना
राष्ट्रीय दिव्यांगजन आइकन (चुनाव आयोग)	शीतल देवी
स्लाइस	नयनतारा
एवरेडी एवं स्पीड पेट्रॉल	नीरज चोपड़ा
'फिट इंडिया मुवमेंट'	नरेन्द्र कुमार यादव
पंजाब का स्टेट आइकॉन (लोकसभा चुनाव हेतु)	शुभमन गिल
स्विट्जरलैंड का फ्रेंडशिप एंबेसडर	नीरज चोपड़ा
5वां भारत रंग महोत्सव 2024	पंकज त्रिपाठी
boAt	रणवीर सिंह
'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'	पहलपिंकी (मिर्जापुर)
बिसलरी, टेक्नो, हुन्डई मोटर इंडिया	दीपिका पादुकोण
RuPay प्राइम वॉलीबॉल लीग सीजन3	ऋतिक रोशन
युवा मतदाता जागरूकता राजदूत (जम्मूकश्मीर)	सुरेश रैना
भारतीय स्टेट बैंक के ब्रांड एंबेसडर	महेन्द्र सिंह धोनी
बंगाल राज्य के ब्रांड एंबेसडर	सौरभ गांगूली
हेनरी हार्विन एजुकेशन	चेतन भगत
स्टेट इलेक्शन आइकन राजस्थान (चुनाव आयोग)	दिव्यकृति सिंह
चुनाव आयोग का राष्ट्रीय आइकन	राजकुमार राव
भारत पेट्रोलियम	राहुल द्रविड़
ICC विश्व कप 2023	शाहरूख खान
त्रिपुरा पर्यटन	सौरभ गांगूली
Gucci की पहली इंडियन ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर	आलिया भट्ट

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रमुख ऑपरेशन

ऑपरेशन हॉक

- 1 मई, 2025 से सीबीआई ने बाल यौन शोषण सामग्री से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय साइबर अपराध नेटवर्क पर ऑपरेशन हॉक के तहत कार्रवाई की है।

ऑपरेशन सिंदूर

- 6 मई 2025 को, भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत की, जिसके तहत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (मुज़फ़्फ़राबाद और कोटली) तथा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत (बहावलपुर) में स्थित छह स्थानों को निशाना बनाते हुए कुल 24 हमले किए गए। ये हमले नियंत्रण रेखा (LoC) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के दोनों पार किए गए।
- इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों - लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट करना था।
- भारतीय वायुसेना ने मात्र 23 मिनट की कार्रवाई में लड़ाकू विमानों और क्रूज मिसाइलों की मदद से कुल 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।
- इस सटीक और तीव्र हमले में 100 से अधिक आतंकवादी और उनके सहयोगी मारे गए, जिससे पाकिस्तान को भारी रणनीतिक और मनोवैज्ञानिक क्षति हुई।
- ऑपरेशन का नाम "सिंदूर" उन महिलाओं की पीड़ा और बलिदान को सम्मान देने के लिए रखा गया, जिनके पति इस आतंकवाद की वजह से शहीद हुए थे; यह नाम न्याय और प्रतिशोध की गूंज बन गया।
- यह कार्रवाई भारत की आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति, सैन्य आत्मनिर्भरता और सशक्त राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टिकोण का जीवंत प्रतीक बन गई।
- याद रहे 7 मई, 2025 को 'ऑपरेशन सिन्दूर' सैन्य अभियान की प्रेस वार्ता का नेतृत्व **कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह** ने किया।
- 13 मई, 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के उपलक्ष्य में **'शौर्य सम्मान यात्रा'** दिल्ली में **कर्तव्य पथ से इंडिया गेट युद्ध स्मारक तक** निकाली गई।

ऑपरेशन अल अक्सा फ्लड	हमास ने इजरायल के खिलाफ अपने ऑपरेशन को नाम दिया है।
ऑपरेशन शील्ड	इजरायल ने ईरानी हमले रोकने के लिए अपने डिफेंस ऑपरेशन का नाम दिया है।
ऑपरेशन कामधेनु (10 मार्च, 2024)	जम्मूकश्मीर पुलिस द्वारा मवेशी तस्करी पर नकेल कसने के लिए।
ऑपरेशन चक्र–2	इसके तहत सीबीआई द्वारा साइबर अपराध माफिया को खत्म करने के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई।

ऑपरेशन सजग	भारतीय तट रक्षक बल द्वारा तटीय सुरक्षा को बढ़ाने वाले सभी हितकारकों को शामिल करने के लिए।
ऑपरेशन त्रिनेत्र-2	सुरक्षा बलों (सेना और पुलिस) ने जम्मूकश्मीर के पुंछ में छिपे आतंकियों को ढ़ेर करने हेतु।
ऑपरेशन अमृत	केरल सरकार द्वारा एंटीबायोटिक दवाओं के अति प्रयोग को रोकने के लिए।
प्रोजेक्ट हिफाजत	पंजाब सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए शुरू किया।

प्रमुख मोबाइल ऐप

ऐप्प / पोर्टल	जारीकर्त्ता	उद्देश्य / संबंधित तथ्य
UMANG ऐप	डिजीलॉकर	10 अक्टूबर, 2024 को लॉन्च किया गया। निर्बाध पहुँच के लिए के साथ साझेदारी के लिए
GolStats ऐप	राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय	यह ऐप राष्ट्रीय सांख्यिकी को सरल व सुलभ बनाते हुए आधिकारिक डेटा, सर्वेक्षण रिपोर्ट और प्रकाशन नागरिकों तक पहुँचाती है।
वॉलेट ऐप	गूगल	यह ऐप एक डिजिटल वॉलेट है, जहाँ आप क्रेडिट/डेबिट कार्ड, लॉयल्टी कार्ड, टिकट आदि सुरक्षित रूप से स्टोर कर सकते हैं। इसकी मदद से आप कॉन्टैक्टलेस पेमेंट और सभी जरूरी दस्तावेज़ अपने Android फ़ोन से आसानी से प्रबंधित कर सकते हैं।
CVIGIL ऐप	चुनाव आयोग	28 मार्च, 2024 को लॉन्च किया गया। सीविजिल ऐप निर्वाचन आयोग का मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म है, जो नागरिकों को फोटो/वीडियो और लोकेशन के साथ आदर्श आचार संहिता उल्लंघनों की त्वरित शिकायत दर्ज करने, ट्रैक करने और तेज़ कार्रवाई सुनिश्चित करने की सुविधा देता है।
CipAir ऐप	Cipla	8 जनवरी, 2025 को लॉन्च किया गया। भारत में अस्थमा जांच के लिए
भारत रणभूमि दर्शन ऐप	राजनाथ सिंह	17 जनवरी, 2025 को लॉन्च, भारत रणभूमि दर्शन ऐप, चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर स्थित ऐतिहासिक सैन्य स्थलों पर केंद्रित, भारत में युद्धक्षेत्र पर्यटन को बढ़ावा देता है।
संचार साथी मोबाइल ऐप	संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया	29 जुलाई 2025 को 21 क्षेत्रीय भाषाओं में लॉन्च किया। यह ऐप नागरिकों को दूरसंचार सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे वे धोखाधड़ी व स्पैम की रिपोर्ट कर सकें, खोए/चोरी हुए मोबाइल को ब्लॉक कर सकें और KYM (Know Your Mobile) व KYI (Know Your IMEI) जैसी सुविधाओं से संदिग्ध नंबरों की पहचान कर डिजिटल धोखाधड़ी से बच सकें।
भागीरथ ऐप	उत्तराखंड सीएम धामी	10 अप्रैल 2025 को लॉन्च किया गया। जल संरक्षण अभियान के तहत लॉन्च किया।
SheBox पोर्टल	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	30 अगस्त 2025 को लॉन्च किया गया। SheBox पोर्टल कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने और उसकी निगरानी के लिए एक एकीकृत ऑनलाइन मंच है।
भविष्य पोर्टल	पेंशन विभाग	5 मई, 2024 को लॉन्च किया गया। सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों के लिए लॉन्च किया
सुविधा पोर्टल (9 अप्रैल, 2024)	भारतीय निर्वाचन आयोग	चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को विभिन्न अनुमतियों जैसे रैलियों के आयोजन, पर्चे बांटने, वाहन परमिट आदि के लिए आवेदन करने में मदद करता है।
भाषानेट	MeitY और NIXI	भाषानेट एक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसे MeitY और NIXI ('नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज') ने भारतीय नागरिकों को अपनी भाषा में संवाद, सूचना निर्माण और प्राप्ति हेतु भाषाई बाधाओं से मुक्त डिजिटल समावेशन के लिए लॉन्च किया है।
GHAR और Track Child पोर्टल	NCPCR	4 फरवरी, 2024 को लॉन्च किया गया। GHAR (Go Home And Re-Unite) और Track Child पोर्टल भारत सरकार की बाल सुरक्षा पहलें हैं, जो गुमशुदा बच्चों की ट्रैकिंग, बहाली और सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करती हैं।

भारत के भौगोलिक संकेत (GI टैग)

- भारत सरकार ने 2030 तक 10,000 जीआई टैग का लक्ष्य रखा है।
- भौगोलिक संकेत का अर्थ है- किसी वस्तु विशेष का उद्गम या उत्पादन केवल एक क्षेत्र विशेष में हुआ है।
- जीआई (GI) चिह्न ऐसा संकेत है जो एक भौगोलिक क्षेत्र के लिए निर्दिष्ट होता है।
- भौगोलिक संकेत (GI टैग) प्रमाणन और संरक्षण के रूप में कार्य करता है और अपनी भौगोलिक उत्पत्ति के कारण एक निश्चित प्रतिष्ठा को ग्रहण करता है।
- इससे सुनिश्चित होता है कि प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं के रूप में पंजीकृत लोगों से भिन्न अन्य लोगों को लोकप्रिय उत्पाद के नाम को उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
- जीआई दर्जा प्राप्त करने के लिए वस्तुएं उस क्षेत्र में उत्पादित या संसाधित या तैयार की जानी चाहिए। यह भी आवश्यक है कि उस उत्पाद की विशेष गुणवत्ता या प्रतिष्ठा हो। ।

जीआई पंजीकरण

- भारत में Geographical Indications of Goods (Registration & Protection) Act, 1999, (2003) में लागू हुआ।
- जीआई के पंजीकरण का प्रमाणन भारत सरकार द्वारा Geographical Indications of Goods (Registration & Protection) Act, 1999, के तहत दिया जाता है।
- केवल वस्तुओं को जीआई प्रमाणन दिया जा सकता है (सेवाओं को नहीं)
- पंजीकरण आवेदन करने की तिथि से 10 साल के लिए मान्य है और इसे 10 वर्षों की अवधि के लिए और उसके बाद 10 वर्षों की प्रत्येक अवधि की समाप्ति पर नवीनीकृत किया जा सकता है।
- 34 वर्गों में जीआई प्रमाणन दिया जाता है। एक आवेदक जीआई पंजीकरण के लिए तभी आवेदन कर सकता है जब कोई वस्तु 34 वर्गों में से किसी एक विषय की हो।
- अभी तक कुल मिलाकार लगभग 697 वस्तुओ (658 भारतीय + 39 विदेशी) को जीआई टैग मिल चुका था।
- आवेदन के लिए निर्धारित शुल्क 5000 रुपये है।
- दार्जिलिंग की चाय भारत में **पहली जीआई चिह्न** वाली उत्पादों बनी जिसे 2004-05 में यह दर्जा दिया गया।
- हैदराबाद हलीम जीआई दर्जा प्राप्त करने वाला एकमात्र भारतीय व्यंजन (dish) है।
- केरल के नीलाम्बुर सागौन की लकड़ी को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई) चिह्न मिला है। नीलाम्बर केरल के मलप्पुरम जिले में स्थित है और यहां विश्व का सबसे पुराना सागौनी बागान है। यहां विश्व का पहला सागौन संग्रहालय भी है।
- तेजपत्ता जीआई दर्जा प्राप्त करने वाला उत्तराखंड का पहला देशज उत्पाद बना है।
- सर्वाधिक GI टैग प्राप्त करने वाला राज्य
  - उत्तर प्रदेश (75)
  - तमिलनाडु (58)
  - महाराष्ट्र (52)
  - कर्नाटक (45)
  - असम (40)
- अधिकतम GI टैग प्राप्त खाध्य पदार्थ पश्चिम बंगाल राज्य से है।

हाल ही में प्रदान किये गये GI टैग

उत्पाद	वर्ष	क्षेत्र	राज्य
केर सांगरी	2025	खाद्य सामग्री	राजस्थान
फेनी शराब	2025	खाद्य सामग्री	गोवा
कश्मीर ट्वीड	2025	हस्तशिल्प	जम्मू कश्मीर
बरुईपुर अमरूद	2025	कृषि	पश्चिम बंगाल
एसीटो बाल्सामिको डी मोडेना	2025	विनिर्माण	इटली
थोवलै मानिक्का मलाई	2025	हस्तशिल्प	तमिलनाडु
कुंभकोणम वेत्रिलै (कुंभकोणम सुपारी)	2025	कृषि	तमिलनाडु
पनरुति पलप्पाज़म (पनरुति जैक फ्रूट)	2025	कृषि	तमिलनाडु
पन्रुति काजू	2025	कृषि	तमिलनाडु
पुलियानकुडी एसिड नींबू	2025	कृषि	तमिलनाडु
विरुधुनगर सांबा वाथल	2025	कृषि	तमिलनाडु
चेट्टीकुलम लघु प्याज	2025	कृषि	तमिलनाडु
कन्नडिप्पाया (बांस की चटाई)	2025	हस्तशिल्प	केरल
रधुनिपागल चावल	2025	कृषि	पश्चिम बंगाल
रामानाडु चिथिराईकर चावल	2025	कृषि	तमिलनाडु
अमरावती पिप्पल	2025	कृषि	महाराष्ट्र
अमरावती चना	2025	कृषि	महाराष्ट्र
कश्मीर नामदा	2025	हस्तशिल्प	जम्मू कश्मीर
कश्मीर वाग्गुव	2025	हस्तशिल्प	जम्मू कश्मीर
शिकारा	2025	हस्तशिल्प	जम्मू कश्मीर
गाबा	2025	हस्तशिल्प	जम्मू कश्मीर
कश्मीर विलो बैट	2025	हस्तशिल्प	जम्मू कश्मीर
मालदा निस्तारी सिल्क यार्न	2025	हस्तशिल्प	पश्चिम बंगाल
कामारपुकुर सदा बोडे	2025	खाद्य सामग्री	पश्चिम बंगाल
बांग्लार नोलेन गुड़ संदेश	2025	खाद्य सामग्री	पश्चिम बंगाल

भारत एवं विश्व में प्रथम : 2023-25

- भारत का पहला AI संचालित स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम हाल ही में दिल्ली में लॉन्च किया गया।
- स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय कार्यालय यूएई में खोला।
- GIFT सिटी में प्रवेश पाने वाला यूएई का मशरेक बैंक पहला विदेशी बैंक बना।
- आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन से राशन वितरण शुरू करने वाला पहला राज्य हिमाचल प्रदेश बना।
- भारतीय नौसेना का सेवानिवृत्त लैंडिंग शिप टैंक, INS गुलदार, महाराष्ट्र में भारत का पहला पानी के नीचे का संग्रहालय बनेगा।
- यह संग्रहालय सिंधुदुर्ग जिले के वेंगुरला तालुका में निवाती रॉक के पास स्थित होगा।
- इस परियोजना का उद्देश्य समुद्री संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देना है, जिसमें स्कूबा डाइविंग और भविष्य में पनडुब्बी यात्राओं की पेशकश की जाएगी।
- गूगल ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र का पहला और विश्व का चौथा सुरक्षा इंजीनियरिंग केंद्र हैदराबाद में खोला।
-
- एमसी-एसटी उम्मीदवारों के लिए विशेष पीएचडी प्रवेश अभियान शुरू करने वाला पहला IIT - IIT दिल्ली बना।
- भारत का पहला ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट अडाणी ग्रुप ने गुजरात में शुरू किया।
- AI आधारित उन्नत ट्रैफिक सिस्टम से लैस होने वाला पहला एक्सप्रेसवे द्वारका एक्सप्रेसवे बना।
- बिहार का पहला न्यूक्लियर रिएक्टर नवादा में बनाया जाएगा।
- हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम पर स्टार पाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री दीपिका पादुकोण बनी हैं।
- थाईलैंड के संवैधानिक न्यायालय ने प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा को, कंबोडिया के प्रधानमंत्री को 'अंकल' कहने पर हाल ही में प्रधानमंत्री पद से निलंबित कर दिया है।
- राजस्थान के टोंक जिले में पहली बार एक दुर्लभ एल्बिनो "सूरजमुखी" गिलहरी देखी गई है। यह घटना वन्यजीव प्रेमियों और शोधकर्ताओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि अतीत में बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों में भी एल्बिनो गिलहरियों के दिखने की घटनाएं दर्ज की गई हैं, फिर भी इसका पाया जाना एक अत्यंत दुर्लभ और विशेष अवसर है।
- समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 'एट सी ऑब्जर्वर मिशन' क्वाड द्वारा शुरू किया गया है।
- पहली आसियान-भारत क्रूज वार्ता चेन्नई में आयोजित की गई है।
- फिनटेक कंपनी स्लाइस ने भारत की पहली UPI-संचालित बैंक शाखा बेंगलुरु में लॉन्च की है।
- भारत की पहली क्वांटम कम्प्यूटिंग वैली जनवरी 2026 तक आंध्र प्रदेश में शुरू होगी।
- बिली जीन किंग कप 2025 प्ले-ऑफ की पहली बार मेजबानी भारत करेगा।
- भारत की पहली योग नीति 23 जून, 2025 को उत्तराखंड ने शुरू की है।
- 20 मई, 2025 को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मिजोरम को देश का पहला पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया।
- आंध्र प्रदेश राज्य सरकार ने राज्य में पहला 'ट्रांसमीडिया एंटरटेनमेंट सिटी' विकसित करने के लिए अग्रणी कंपनी क्रिएटिवलैंड एशिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों ने 1 मई, 2025 को अमरावती में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **25 मार्च, 2025 को**, **वरिष्ठ नागरिक आयोग** स्थापित करने वाला **भारत का पहला राज्य केरल** बन गया है। यह आयोग वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं और चुनौतियों, जैसे कि स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा और अधिकारों की सुरक्षा, का समाधान करने के लिए स्थापित किया गया था।
- **प्रयागराज** में महाकुंभ में सफल अस्थायी कला एवं संस्कृति ग्राम की प्रतिक्रिया के बाद संस्कृति मंत्रालय ने इसे **पहला स्थायी कला ग्राम** बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।
- भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे ब्रिज रामेश्वरम (तमिलनाडु) **में बनाया गया है, जो पंबन ब्रिज का उन्नत संस्करण है और तकनीकी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।**
- **गुजरात** का **'मसाली गांव'** सौर ऊर्जा से चलने वाला **देश का पहला सीमावर्ती गांव** बना है।
- महाराष्ट्र में देश का पहला डिजिटल म्यूजियम स्थापित किया गया है।
- 24 फरवरी, 2025 को**, महिला शांति सैनिकों** का पहला सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।
- 1 अगस्त, 2024 को अमेरिका ने यूक्रेन को पहला F-16 फाइटर जेट और नया एयर डिफेंस सिस्टम सौंपा।
- F-16 फाइटिंग फॉल्कन एक अमेरिकी मल्टी रोल लडाकू विमान है। जिसे मूलतः अमेरिका की जनरल डायनामिक्स ने बनाया है।
- 11 जनवरी, 2025 को**,** श्रीलंका **में** पहला हिंदी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया गया, जो भारत-श्रीलंका सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- 19 मई, 2025 **को भारत में हाथी पालकों के लिए पहला 'महावत गांव'** तमिलनाडु के थेप्पाकाडु **में बनाया गया।** यह गांव मुदुमलाई टाइगर रिजर्व के थेप्पाकाडु हाथी शिविर में स्थापित किया गया है और इसमें 44 घर शामिल थे। इस गांव का निर्माण महावतों (हाथी देखभाल करने वालों) और उनके परिवारों के लिए किया गया है, जिन्हें पहले खराब स्थिति में रहना पड़ता था।
- 17 मई, 2025 को **उत्तर प्रदेश** विस्टाडोम ट्रेन के माध्यम से (कतरनियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य से दुधवा टाइगर रिजर्व तक) जंगल सफारी का अनुभव प्रदान करने वाला **देश का पहला राज्य** बना।

क्विक फैक्ट्स

- 15 जुलाई 2025 को संजय कौल को गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी का नया प्रबंध निदेशक और CEO नियुक्त किया गया है।
- 15 जुलाई 2025 से भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने AIIMS नागपुर से आम नाश्ते में मौजूद पोषक तत्वों के बारे में जागरूकता अभियान शुरू किया है।
- 15 जुलाई 2025 को जारी QS 2026 रैंकिंग में दिल्ली को दुनिया का सबसे किफायती छात्र शहर का दर्जा दिया गया है।
- 16 जुलाई 2025 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है, जो वर्ष 2025-26 तक 100 जिलों में लागू होगी। यह योजना मूल रूप से केंद्रीय बजट 2025–26 में घोषित की गई थी और इसका वार्षिक परिव्यय 24,000 करोड़ रुपए है, जिसकी अवधि छह वर्षों (2025–26 से प्रारंभ) तक होगी।
- 16 जुलाई 2025 को भारतीय सेना ने लद्दाख में 15,000 फीट की ऊंचाई पर आकाश प्राइम वायु रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण किया है।
- 16 जुलाई 2025 को 'एआई एप्रिसिएशन डे' मनाया गया है।
- गुजरात राज्य ने भारत की पहली जनजातीय जीनोम अनुक्रमण परियोजना शुरू की है।
- महाराष्ट्र ने पशुधन और मुर्गीपालन को कृषि का दर्जा दिया है।
- 17 जुलाई 2025 को भारतीय चुनाव आयोग ने नीतू चंद्रा और क्रांति प्रकाश झा को बिहार के लिए स्वीप आइकन नियुक्त किया है।
- 17 जुलाई 2025 को भारत ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम पृथ्वी-II और अग्नि-I बैलिस्टिक मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।
- 18 जुलाई 2025 को अमेरिकी ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका ने SBI को वर्ष 2025 के लिए दुनिया का सर्वश्रेष्ठ उपभोक्ता बैंक नामित किया है।
- 18 जुलाई 2025 को भारतीय नौसेना ने विशाखापत्तनम में भारत के पहले स्वदेश निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (DSV) INS निस्तार का जलावतरण किया है।
- 18 जुलाई 2025 को भारत के पहले भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (IICT) का उद्घाटन मुंबई में किया गया है।
- 19 जुलाई 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोतिहारी, बिहार में एक नई रोजगार योजना की घोषणा की है, जिसमें निजी क्षेत्र में नौकरी चाहने वालों को ₹15,000 का प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- 21 जुलाई 2025 को झारखंड सरकार ने देश की पहली खनन पर्यटन पहल शुरू की है। इसे झारखंड की खनिज संपदा को सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से जनता के सामने प्रस्तुत करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।
- 21 जुलाई 2025 को पेपरलेस नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (NeVA) सेवा केंद्र का उद्घाटन दिल्ली विधानसभा में किया गया है।
- 21 जुलाई 2025 को भारत सरकार ने दीपक बागला को अटल इनोवेशन मिशन (AIM) का नया मिशन निदेशक नियुक्त किया है।
- 21 जुलाई 2025 को चीन ने तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में यारलुंग त्सांगपो नदी पर विश्व के सबसे बड़े जलविद्युत बांध का निर्माण शुरू किया है।
- 22 जुलाई 2025 को जारी हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 में भारत 77वें स्थान पर रहा है जबकि सिंगापुर शीर्ष पर है।
- 22 जुलाई 2025 को भारतीय सेना को अमेरिका से अपाचे AH-64E लड़ाकू हेलीकॉप्टरों का पहला बैच आधिकारिक तौर पर प्राप्त हुआ है।
- 22 जुलाई 2025 को भारतीय तटरक्षक बल ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत (PCV) समुद्र प्रचेत का जलावतरण किया है।
- 22 जुलाई 2025 को भारतीय ऐप 'मेरी पंचायत' ने स्विट्जरलैंड में WSIS चैंपियन अवार्ड 2025 डिजिटल गवर्नेंस के लिए जीता है।
- 22 जुलाई 2025 को IMF की उप-प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।
- 22 जुलाई 2025 को तमिलनाडु सरकार ने अन्नामलाई टाइगर रिजर्व में हॉर्नबिल संरक्षण के लिए भारत का पहला उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है।
- 22 जुलाई 2025 को अमेरिका ने दो वर्ष पहले पुनः शामिल होने के बाद यूनेस्को से हटने की घोषणा की है।
- 23 जुलाई 2025 को भारत ने पांच वर्ष के अंतराल के बाद चीन के नागरिकों को पर्यटक वीजा जारी करना पुनः शुरू किया है।
- 23 जुलाई 2025 को मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा ट्रैवल लीजर वर्ल्ड अवॉर्ड 2025 में दुनिया के शीर्ष 10 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों में शामिल हुआ है।
- 24 जुलाई 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन यात्रा के दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के अंतर्गत किंग चार्ल्स तृतीय को एक पौधा उपहार में दिया है।
- 24 जुलाई 2025 को केंद्र सरकार ने अजय सेठ को भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) का अध्यक्ष नियुक्त किया है।
- 24 जुलाई 2025 को नासा ने पृथ्वी की चुंबकीय सुरक्षा का अध्ययन करने के लिए TRACERS मिशन लॉन्च किया है।
- 24 जुलाई 2025 को भारत ने ब्रिटेन के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर हस्ताक्षर किए हैं।
- 24 जुलाई 2025 को फिनो पेमेंट्स बैंक ने पश्चिम बंगाल में UPI को बढ़ावा देने के लिए 'गति' बचत खाता लॉन्च किया है।
- 24 जुलाई 2025 को भारत में राष्ट्रीय आयकर दिवस वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन द्वारा आयकर की ऐतिहासिक शुरुआत की स्मृति में मनाया गया है।
- 25 जुलाई 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंदिरा गांधी को पीछे छोड़ते हुए भारत के दूसरे सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं।